महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com


**सुविचार**

*अच्छाई और सच्चाई चाहे पूरी दुनिया में कहीं भी ढूंढ लो,अगर 'खुद' में नहीं है, तो कहीं नहीं मिलेगी..!*

# मालवा हेराल्ड


वर्ष : 17 अंक : 01 | उज्जैन, गुरुवार 11 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए


## न्यूज ब्रीफ

### पाकिस्तान की कायराना चालः हाथों में कटोरा होने के बाद भी बाज नहीं आ रहा पड़ोसी, भारत के खिलाफ रच रहा नापाक साजिश

गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) के आंतरिक संकट और नरसंहार जैसी स्थिति से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान अब अपनी पुरानी और नापाक चालें चल सकता है। भारतीय खुफिया एजेंसियों (आइबी) ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ इस अराजकता की आड़ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकियों की घुसपैठ करा सकती है और जम्मू-कश्मीर समेत भारत के अन्य हिस्सों में अशांति फैलाने के लिए आत्मघाती हमले या दुष्प्रचार का सहारा ले सकती है। पीओजेके के आतंकी लांच पैड्स को सक्रिय कर दिया गया है, जिसे देखते हुए भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। पीओजेके में इस वक्त अत्याचार और मानवाधिकारों के हनन की आग सुलग रही है। जनता सड़कों पर है, और पाकिस्तानी सुरक्षा बल वरूरता की सारी हदें पार कर रहे हैं। इस भड़कते आक्रोश के बीच, भारतीय खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ा और गंभीर अलर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक मंच पर घिर चुका पाकिस्तान दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए भारत के खिलाफ अब खतरनाक साजिश रच रहा है। एलओसी पर घुसपैठ और हमलों की फिराक में आइएसआइ खुफिया अधिकारियों के मुताबिक, आइएसआइ सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ कराने की फिराक में है। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित सभी टेरर लांच पैड्स को एक्टिव कर दिया गया है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर दुनिया के सामने अपनी किरकिरी होने से खुद को बचाने के लिए भारत के जम्मू-कश्मीर और अन्य संवेदनशील हिस्सों में आतंकी हमलों को अंजाम देने की छटपटाहट में हैं। हालांकि, भारतीय सुरक्षा बल पूरी तरह हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी संभावित खतरे को नाकाम करने के लिए मुस्तैद हैं। हाल ही में भारत में कई आतंकी माड्यूल ध्वस्त किए गए हैं, जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इंटरनेट मीडिया पर डिसइंफार्मेशन और प्रोपेगैंडा वार अपनी आंतरिक विफलताओं को छिपाने के लिए पाकिस्तान सिर्फ जमीनी स्तर पर ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफार्म पर भी साजिश रच रहा है।

### मकान मालिक नहीं दे रहे किरायेदारों की जानकारी, अवैध इमारतों पर कार्रवाई का डर

**साहिबाबाद/ जीएनएस।** जनगणना में किरायेदारों की जानकारी देने से मकान मालिक बच रहे हैं। ऐसी कई शिकायत खोड़ा में जनगणना के लिए लगाए गए प्रगणक अधिकारियों को शिकायत कर रहे हैं। यहां 12 लाख की आबादी में से करीब पांच लोग किराये के मकानों में रह रहे हैं। खोड़ा में जनसंख्या की गणना के लिए 1,040 प्रगणक लगाए गए हैं। नगर पालिका के अवर अभियंता जलकल नवनीत गुप्ता ने बताया कि उनके निर्देशन में 100 प्रगणक जनगणना का कार्य कर रहे हैं। खोड़ा में 2011 में हुई जनगणना के अनुसार करीब एक लाख 95 हजार आबादी थी। जनगणना का कार्य दो चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में 22 मई से 20 जून तक जनगणना का कार्य किया जाएगा। फरवरी में दूसरे चरण की जनगणना होगी। खोड़ा में हाल ही में बहुमंजिला इमारतों का सर्वे कराया गया था। इसमें करीब 5165 अवैध बहुमंजिला इमारतें मिली हैं। सर्वे में मिली अवैध बहुमंजिला इमारतों के मालिकों को नगर पालिका की ओर से नोटिस और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की बात की गई। अधिकारियों को अंदेशा है कि इस वजह से किरायेदारों का विवरण नहीं मिल पा रहा है। जनगणना के दौरान बहुमंजिला इमारतों के मालिक कार्रवाई के डर से कई मंजिलों पर रह रहे किरायेदारों की जानकारी नहीं दे रहे हैं। खोड़ा में प्रगणकों द्वारा कई जगहों पर मकान मालिकों द्वारा जनगणना के दौरान किरायेदारों की जानकारी नहीं देने की शिकायत की जा रही है। मकान मालिकों को समझाया जा रहा है। उनसे जनगणना में सहयोग की अपील की जा रही है।

**- शैलेंद्र सिंह, कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी**

# प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलवाए, 80 करोड़ नागरिकों को बांटा जा रहा है निःशुल्क अनाजः मुख्यमंत्री

**प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने पर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुफा मंदिर के कार्यक्रम में हुए शामिल**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की आज़ादी के बाद निर्वाचित रूप से सबसे अधिक अवधि तक देशसेवा करने का रिकॉर्ड आज अपने नाम किया है। वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक कार्य किया है। यह सभी देशवासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, जनता के हित में एकजुटता के साथ कार्य करते हैं। वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भारत को दुनिया में नंबर-1 देश बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक रूप से सुरक्षित है, और सीमा से बाहर भी दुश्मनों के दांत खट्टे कर भारतीय सेना ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्णहोने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भोपाल के गुफा मंदिर में आयोजित हनुमान चालीसा और प्रार्थना कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान चालीसा का श्रवण कर भगवान का पूजन अर्चन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा, श्री रविन्द्र यति तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के भीतर जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राम राज्य में कोई भूखा नहीं सोता था, बेटियां सुरक्षित थीं, गौमाता के पूजन के साथ-साथ सनातन संस्कृति के मंदिरों का वैभव था। प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यकाल भी इन्हीं उपलब्धियों का साक्षी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सादगीपूर्ण जीवनशैली के साथ देश सेवा में समर्पित हैं। उन्होंने देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलवाए, 80 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क अनाज वितरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं। हम सभी के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के भीतर जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है।

देश में एक नए संकल्प का वातावरण है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान श्री राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पवित्र गीता में बताए कर्मवाद के सिद्धांत पर काम करते हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पृथ्वी पर अपने जन्म को सार्थक किया है। गरीब परिवार में जन्मे प्रधानमंत्री श्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए एक आदर्श हैं। देश में एक नए संकल्प का वातावरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबको अवसर मिलता है। प्रदेशवासी अपने जीवन में संकल्प लें, संघर्ष करें और आगे बढ़ें।

हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। देश-दुनिया से श्रद्धालु मंदिर में प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का आशीर्वाद ले रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा मध्यप्रदेश पर है, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का मध्यप्रदेश को लगातार आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है- स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजीटल नवाचार और इन्फ्रास्ट्रक्टर निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में गरीब, किसान, नारी सशक्तिकरण और युवाओं के गहरी संवेदना हैं। मध्यप्रदेश को हर पल उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त हो रहा है।

## क्या आप मेसी के लंगोटिया यार हैं? हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी, पूर्व मंत्री अरूप विश्वास को सशर्त अंतरिम राहत

**कोलकाता/ जीएनएस।** कलकत्ता हाई कोर्ट ने अर्जेंटीना के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान हुए विवाद मामले में राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास को सशर्त अंतरिम राहत दी है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ ने आगामी 17 अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है, लेकिन इसके साथ ही उन पर कई कड़ी शर्तें भी थोपी हैं।

अदालत ने पूर्व मंत्री को सात दिनों के भीतर अपना पासपोर्ट निचली अदालत में जमा करने और बिना न्यायिक अनुमति के शहर से बाहर न जाने का आदेश दिया है। इसके अलावा, जांच में सहयोग करना अनिवार्य होगा और पुलिस को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने से 48 घंटे पहले नोटिस देना होगा। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या अरूप विश्वास मेसी के बाल्यमित्र (लंगोटिया यार) हैं? वह मेसी के इतने करीब क्यों गए? जब देश के तीन अन्य शहरों में यह कार्यक्रम बेहद सुचारू रूप से संपन्न हुआ, तो कोलकाता में इतनी अव्यवस्था क्यों हुई?

अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लाखों रुपये का टिकट खरीदकर आए दर्शकों के सामने अव्यवस्था के कारण मेसी को सुरक्षा कारणों से समय से पहले मैदान छोड़ना पड़ा, जिससे शहर की साख खराब हुई है।

## मिसाइल गिरते ही जहाज पर भड़की थी आग, भारत ने 24 नागरिकों को सुरक्षित बचाने के लिए ओमान को कहा थैंक यू

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** ओमान के तट पर अमेरिकी नौसेना के हमले के बाद आग लगने से प्रभावित पलाऊ-झंडे वाले टैंकर से 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित रूप से बचाने के लिए भारत ने ओमान को धन्यवाद दिया है।

सूत्रों के अनुसार, जहाज एमटी मेरीवेक्स ने ईरानी बंदरगाहों के अमेरिकी नाकेबंदी से बचने के लिए चार प्रयास किए। यह जहाज सोमवार को एक मिसाइल हमले के बाद आग की चपेट में आया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह जहाज ओमान के तट पर निष्क्रिय हो गया था। उन्होंने कहा, हमें यह भी समझ में आया है कि घटना से पहले जहाज और अमेरिकी नौसेना के बीच कुछ संचार का आदान-प्रदान हुआ था। जहाज पर 24 चालक दल के सदस्य थे, सभी भारतीय नागरिक। सभी को बचा लिया गया है।

एक मीडिया ब्रीफिंग में जायसवाल ने कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास ने भारतीय चालक दल के सदस्यों को बचाने में ओमानी अधिकारियों के साथ समन्वय किया। हम चालक दल को बचाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता के लिए ओमान सरकार का धन्यवाद करते हैं।

हमारा मिशन समुद्री लोगों के साथ संपर्क में बना हुआ है। यह जहाज विदेश संपत्ति नियंत्रण कार्यालय द्वारा ब्लैकलिस्ट और प्रतिबंधित किया गया था, जो अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की वित्तीय खुफिया और प्रवर्तन एजेंसी है।

# सिर्फ कड़े नियमों से नहीं रोकी जा सकेंगी AI की गलतियां

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** दुनिया भर में एआई की निगरानी और नियमन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारत में भी इस मुद्दे पर गंभीर विमर्श शुरू हो गया है।

केंद्र सरकार की मंशा एआई पर सीधे तौर पर कठोर निगरानी लगाने की नहीं है, लेकिन संकेत साफ हैं कि ऐसी व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो एआई के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लगाने में सक्षम हो।

इस बात के संकेत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में दिए।

यहां स्मादजा एंड स्मादजा स्ट्रैटजिक एडवायजरी की तरफ से आयोजित इंडिया ग्लोबल इनोवेशन कनेक्ट-2026 कार्यक्रम में सान्याल ने कहा कि एआई एक अनिश्चित और जटिल प्रणाली है। हमें इसे उसी तरह नियंत्रित करना चाहिए। यहां सबसे अच्छा काम जो हो सकता है, वह है- 'स्किन इन द गेम' यानी अपनी जिम्मेदारी खुद लेने की व्यवस्था।

इसमें स्पष्ट जवाबदेही होनी चाहिए और जो लोग या संस्थाएं इस संदर्भ में गलती करें उन्हें इसकी कीमत चुकाने की व्यवस्था करनी होगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो इस क्षेत्र में महामारी की तरह गलत काम होने लगेगा।

आखिरकार, एआई के लिए हमें एक वैश्विक नियंत्रण व्यवस्था की जरूरत ठीक वैसे ही पड़ेगी जैसे वित्तीय बाजारों में स्विफ्ट (बैंकिंग लेन-देन की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था) काम करती है। लेकिन हमें यह समझना होगा कि इतनी जटिल प्रणाली को सिर्फ सख्त नियमों से पूरी तरह नहीं रोका जा सकता।

भारत में वर्तमान में एआई पर कोई व्यापक बाध्यकारी कानून नहीं है। सरकार का रुख नई खोजों व अन्वेषण को प्रोत्साहित करने वाला है। नवंबर 2025 में केंद्र सरकार ने एआई में गवर्नेंस को लेकर सात सूत्री सलाह जारी की थी, जिसमें नैतिकता, जवाबदेही, पारदर्शिता और निरंतरता पर जोर दिया गया है। इंडिया एआई मिशन के तहत भी सुरक्षा व गवर्नेंस के लिए अलग-अलग समूह स्थापित किए गए हैं। देश की प्रमुख नियामक एजेंसियां जैसे आरबीआई, सेबी आदि भी डीपफेक, गलत सूचना आदि फैलाने में एआई के इस्तेमाल को रोकने की कोशिश कर रही हैं।

## फ्रांस और स्लोवाकिया जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी, जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जून से 19 जून 2026 तक फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री की आगामी यूरोप यात्रा से फ्रांस, स्लोवाकिया और जी7 देशों के साथ भारत की साझेदारी और मजबूत होगी।

यात्रा के पहले चरण में, प्रधानमंत्री 14 जून को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए नीस जाएंगे और भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों के पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

नीस में, दोनों नेता संयुक्त रूप से भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन भी करेंगे। नीस से प्रधानमंत्री स्लोवाकिया जाएंगे।

1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद से यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा होगी।

यात्रा के तीसरे चरण में, प्रधानमंत्री 16-17 जून को एवियन में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा, शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी विश्व के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री यूरोप के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप कार्यक्रम, विवाटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 18 जून को पेरिस जाएंगे।

# देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित पीएम बने नरेंद्र मोदी, विश्वभर के नेताओं ने दी बधाई

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** वैश्विक नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई दी है।

उन्होंने मोदी के परिवर्तनकारी शासन की जमकर सराहना की है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक पत्र के माध्यम से इस उपलब्धि को भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता और जनता के मोदी सरकार में निरंतर विश्वास का प्रतीक बताया।

भारत गणराज्य के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर सरकार और श्रीलंका की जनता की ओर से हार्दिक बधाई। यह उपलब्धि न केवल आपके कार्यकाल की लंबाई, बल्कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में बार-बार रखे गए विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने आगे कहा कि इतने विशाल, विविध और गतिशील लोकतंत्र में लगातार चुनावों में जनादेश हासिल करना उल्लेखनीय है। इससे न केवल शासन की उत्कृष्ट क्षमता, बल्कि आम लोगों के जीवन में ठोस सुधार लाने और चुनौतियों के बीच भी जन-विश्वास बनाए रखने की क्षमता झलकती है। दिसानायके ने मोदी सरकार के तीन कार्यकालों में भारत के आर्थिक और सामाजिक रूपांतरण की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी, सार्वजनिक सेवाओं और आर्थिक अवसरों में सुधारों से करोड़ों भारतीय लाभान्वित हुए हैं। भारत अब विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है और क्षेत्रीय व वैश्विक मामलों में प्रभावशाली आवाज बन गया है। उन्होंने कहा कि मोदी का दृष्टिकोण श्रीलंका सहित कई देशों को प्रेरित करता है।

प्रेट्र के अनुसार, पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री मोदी को एक रोल माडल और लीडरशिप का उदाहरण बताया।

## आपका ऑपरेशन सफल रहा मोबाइल पर आए एक मैसेज ने कैसे खोल दी स्वास्थ्य साथी कार्ड घोटाले की पोल?

**कोलकाता/ जीएनएस।** बंगाल के नदिया जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां खेत में काम कर रहे एक बुजुर्ग के मोबाइल पर आए एक अनचाहे संदेश ने बड़े स्वास्थ्य साथी कार्ड घोटाले का पर्दाफाश कर दिया। करीमपुर थाना क्षेत्र के किशोरपुर गांव के रहने वाले छत्तार अली नामक वृद्ध उस वक्त हैरान रह गए, जब उनके फोन पर संदेश आया कि आपका ऑपरेशन सफल रहा है।

चूंकि वे न तो कभी किसी अस्पताल गए थे और न ही उनका कोई ऑपरेशन हुआ था, इसलिए उनके बेटों को किसी बड़ी धोखाधड़ी की आशंका हुई। जब पीड़ित परिवार ने संबंधित नर्सिंग होम से संपर्क किया, तो पहले तो प्रबंधन मुकर गया, लेकिन दबाव बढ़ने पर उन्होंने सच स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तेहट्ट थाना क्षेत्र के नाजीरपुर स्थित उक्त निजी नर्सिंग होम के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि कुछ दिन पहले चार महिलाएं बुजुर्ग के घर आई थीं और स्वास्थ्य साथी कार्ड को आयुष्मान भारत कार्ड में अपग्रेड करने के बहाने उनका मोबाइल और कार्ड का सारा गुप्त डेटा उड़ा ले गई।

इसके बाद बंद पड़े नर्सिंग होम के कागजात पर फर्जी ऑपरेशन दिखाकर सरकारी कोष से लाखों रुपये की निकासी कर ली गई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह नर्सिंग होम पिछले एक साल से बंद था। पुलिस ने दफ्तर से भारी मात्रा में स्वास्थ्य साथी कार्ड और संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए हैं, जिससे इस रैकेट में कई और बड़े चेहरों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

# ऐतिहासिक भूत बावड़ी में गूंजा संस्कृति और विरासत का संगम

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर निगम इंदौर द्वारा शहर की प्राचीन बावड़ियों और कुओं के संरक्षण तथा पुनरुद्धार के लिए किए जा रहे प्रयासों को नई पहचान मिल रही है। इसी क्रम में सदर बाजार स्थित होलकरकालीन ऐतिहासिक भूत बावड़ी के जीर्णोद्धार के बाद यहां आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'जश्न-ए-इंदौर' ने शहर की ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत किया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा भूत बावड़ी की व्यापक साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, संरचनात्मक सुधार तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक कार्य कराए गए हैं। पुनरुद्धार के बाद बावड़ी परिसर को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने की पहल की गई है।

नगर निगम इंदौर और कारवां इंडिया हेरिटेज ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, जल संरक्षण का संदेश देना तथा इंदौर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम में देशभर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके और 'इंडियाज गॉट टैलेंट' के सेमीफाइनलिस्ट रहे ब्लेसिंग ब्लूम औरा शास्त्रीय संगीत समूह ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। शहर के प्रसिद्ध इतिहासकार जफर अंसारी ने भूत बावड़ी और इंदौर की ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी। वहीं कथक नृत्यांगनाओं वंशिका और तान्या ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदरता का प्रदर्शन किया। युवा कवि पलाश ने अपनी कविताओं के माध्यम से इंदौर की संस्कृति, विरासत और सामाजिक मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

विशेष बात यह रही कि वर्षों से 'भूत बावड़ी' के नाम से पहचानी जाने वाली इस ऐतिहासिक धरोहर, जहां कभी लोग जाने से भी कतराते थे, वहीं अब शास्त्रीय संगीत, नृत्य और काव्य की मधुर स्वर-लहरियां गूंज उठीं। बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं, कला प्रेमियों और इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों ने कार्यक्रम में भाग लेकर ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यह आयोजन न केवल जल संरक्षण और धरोहर संरक्षण का संदेश देने में सफल रहा, बल्कि इंदौर की सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊर्जा प्रदान कर गया।

## 30 जून तक संपत्तिकर और जलकर के अग्रिम भुगतान पर मिलेगी आकर्षक छूट

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम इंदौर ने शहर के करदाताओं को संपत्तिकर एवं जलकर के अग्रिम भुगतान पर विशेष छूट का लाभ उठाने का अवसर प्रदान किया है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से 30 जून 2026 तक अपने करों का अग्रिम भुगतान करने की अपील की है, ताकि वे निर्धारित छूट का लाभ प्राप्त कर सकें। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल तथा राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान (गुड्डू) ने संयुक्त रूप से शहरवासियों से समय सीमा के भीतर कर जमा करने का आग्रह किया है। नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर भुगतान करने वाले नागरिकों को संपत्तिकर पर 6.25 प्रतिशत तथा जलकर पर 6 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। यह सुविधा केवल 30 जून 2026 तक उपलब्ध रहेगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि समय पर कर भुगतान से नागरिकों को आर्थिक लाभ तो मिलेगा ही, साथ ही वे शहर के विकास कार्यों में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा सकेंगे। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ लेने की अपील की। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कर जमा करने की व्यवस्था की गई है। नागरिक अपने नजदीकी जोन कार्यालय, नागरिक सुविधा केंद्र अथवा निगम के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से करों का भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जोन कार्यालयों में स्थित कैश काउंटरों पर करदाताओं के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि कर भुगतान प्रक्रिया सरल और सुगम बन सके। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते कर जमा कर छूट योजना का लाभ प्राप्त करें।

## बहुमंजिला भवनों में अग्नि सुरक्षा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग की होगी जांच

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के बहुमंजिला भवनों में अग्नि सुरक्षा एवं वर्षा जल संचयन व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम ने विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर निगम के उपयंत्री अब अपने-अपने क्षेत्रों में जी+3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाले सभी आवासीय और गैर-आवासीय भवनों का स्थल निरीक्षण करेंगे। अभियान के तहत निगम अधिकारी भवनों में स्थापित फायर सेफ्टी सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, हाइड्रेंट व्यवस्था, आपातकालीन निकास मार्ग और अन्य सुरक्षा प्रावधानों की उपलब्धता एवं कार्यक्षमता की जांच करेंगे। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित है या नहीं और वह प्रभावी रूप से संचालित हो रहा है या नहीं।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच नागरिकों की सुरक्षा और जल संरक्षण दोनों ही महत्वपूर्ण विषय हैं। बहुमंजिला भवनों में सुरक्षा मानकों का पालन और वर्षा जल संचयन व्यवस्था का संचालन सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है।

नगर निगम के सभी उपयंत्रियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार भवनों का निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करें। जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा या वर्षा जल संचयन संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं पाई जाएंगी अथवा उनका रखरखाव संतोषजनक नहीं होगा, वहां भवन स्वामियों को सुधारात्मक कार्य करने और निर्धारित समय सीमा में व्यवस्थाएं स्थापित करने के निर्देश दिए जाएंगे।

# प्रधानमंत्री मोदी के 4399 दिन पूरे होने पर खजराना गणेश मंदिर में विशेष पूजा, 35 मंडलों में हुए धार्मिक आयोजन

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक निरंतर निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4399 दिन पूरे करने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी इंदौर नगर द्वारा बुधवार को खजराना गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, आरती और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए 4399 लड्डुओं का भोग भगवान गणेश को अर्पित किया गया तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी वितरित की गई।

कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, सांसद शंकर लालवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया और अंजू माखीजा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आयोजित आरती में भाजपा नेताओं ने झांझ, मंजीरे, करताल और डमरू बजाकर भगवान गणेश की आराधना की। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंजीरे, रणवीर सिंह रावत ने झांझ, सांसद शंकर लालवानी ने करताल तथा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने डमरू बजाया। हवन के बाद खजराना अन्नक्षेत्र में निराश्रितों को भोजन भी कराया गया।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4399 दिनों तक निरंतर निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देकर नया इतिहास रचा है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है तथा देश ने विकास, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इंदौर नगर भाजपा द्वारा शहर के 35 मंडलों में भी धार्मिक आयोजन किए गए। विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना, हवन और आरती के माध्यम से प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई।

इसी अवसर पर भाजपा के विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, रणवीर सिंह रावत, सुमित मिश्रा और विधायक महेंद्र हार्डिया खजराना क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के पूर्व पहलवान एवं शालिग्राम व्यायामशाला के संचालक राजाराम पाटीदार के निवास पहुंचे। नेताओं ने उनसे केंद्र सरकार की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के विकास पर चर्चा की।

राजाराम पाटीदार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और कई ऐसे कार्य संभव हुए हैं, जो वर्षों तक अधूरे रहे थे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने उनके परिवारजनों से भी मुलाकात की, जहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के अनेक पदाधिकारी, पार्षद, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## जिले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई: 25 करोड़ रुपये मूल्य की 30 बीघा शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिलेभर में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में आज बुधवार को महू क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डॉ. अंबेडकर नगर महू श्री राकेश परमार के मार्गदर्शन में ग्राम मलेंडी, तहसील महू में राजस्व एवं प्रशासनिक अमले द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान 7.824 हेक्टेयर (लगभग 30 बीघा) शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। उक्त भूमि का बाजार मूल्य लगभग 25 करोड़ रुपये आंका गया है। इस भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे नियमानुसार हटाते हुए भूमि को पुनः शासकीय अभिलेखों के अनुरूप मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान राजस्व, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन का अमला मौजूद रहा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जिले में शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत चिन्हित अतिक्रमणों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

# 50 लाख रुपये के 230 गुम मोबाइल खोजकर इंदौर पुलिस ने लौटाई नागरिकों की मुस्कान

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर पुलिस की अपराध शाखा (साइबर सेल) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के 230 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिए। इस कार्रवाई से सैकड़ों नागरिकों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध शाखा द्वारा संचालित 'सिटीजन कॉप' एप्लीकेशन तथा भारत सरकार के 'सीईआईआर (संचार साथी)' पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। अपराध शाखा ने वर्ष 2026 में प्राप्त मोबाइल गुम होने संबंधी शिकायतों का निराकरण करते हुए यह महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

पुलिस के अनुसार बरामद मोबाइल फोन इंदौर सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों तथा राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से खोजे गए हैं। इनमें आईफोन, गूगल पिक्सल, वनप्लस, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, रेडमी, रियलमी, नथिंग, मोटोरोला और अन्य कंपनियों के महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं।

अपराध शाखा ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक कुल 807 गुम मोबाइल फोन खोजकर उनके मालिकों को वापस किए जा चुके हैं। इससे नागरिकों का ऑनलाइन शिकायत प्रणाली के प्रति विश्वास बढ़ा है और बड़ी संख्या में लोग 'सिटीजन कॉप' एप्लीकेशन तथा 'सीईआईआर' पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 'सिटीजन कॉप' एप्लीकेशन के माध्यम से नागरिक मोबाइल गुम होने या चोरी होने की शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। वहीं 'सीईआईआर' पोर्टल पर मोबाइल का आईएमईआई नंबर ब्लॉक कर शिकायत दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध है, जिससे गुम या चोरी हुए मोबाइल को खोजने में सहायता मिलती है।

अपराध शाखा की साइबर सेल टीम ने तकनीकी विश्लेषण और समन्वित प्रयासों के माध्यम से विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन बरामद किए। मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने इंदौर पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं तथा 'सिटीजन कॉप' एप्लीकेशन या 'सीईआईआर' पोर्टल का उपयोग कर ऑनलाइन सूचना दें, ताकि शीघ्र कार्रवाई कर मोबाइल बरामद किया जा सके।

## नोवेल्टी मार्केट में दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत एम.जी. रोड थाना पुलिस ने नोवेल्टी मार्केट स्थित एक दुकान में ताला तोड़कर नकदी चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 1 लाख 23 हजार 340 रुपये की नकदी भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार 7 जून 2026 को सुमित कलेक्शन के संचालक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 6 जून की रात से 7 जून की सुबह के बीच अज्ञात व्यक्ति ने उनकी दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी कर ली। शिकायत के आधार पर एम.जी. रोड थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने मामले की पड़ताल करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान सूचना मिली कि फरियादी की दुकान के सामने स्थित दुकान का संचालक अंश चंदवानी इस वारदात में शामिल हो सकता है। पुलिस ने संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

आरोपी अंश चंदवानी (22) निवासी द्वारिकापुरी, इंदौर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की गई 1.23 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद कर ली गई। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

# जिला बदर बदमाश शोभित शर्मा गिरफ्तार, निष्कासन आदेश का कर रहा था उल्लंघन

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना लसूडिया ने एक जिला बदर बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी शोभित शर्मा पुलिस आयुक्त न्यायालय द्वारा जारी निष्कासन आदेश का उल्लंघन करते हुए इंदौर शहर में घूमता पाया गया।

पुलिस के अनुसार शहर में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं सक्रिय बदमाशों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना लसूडिया पुलिस द्वारा जिला बदर आरोपियों और गुंडा तत्वों की निगरानी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा था।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि जिला बदर आरोपी शोभित शर्मा मैकेनिक नगर क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाव होटल के पीछे स्थित मैकेनिक नगर बड़ी भमोरी क्षेत्र में दबिश दी, जहां आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि शोभित शर्मा के विरुद्ध मारपीट, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट तथा अन्य गंभीर अपराधों सहित कुल 32 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए पुलिस आयुक्त न्यायालय द्वारा 8 मई 2026 को उसे एक वर्ष की अवधि के लिए इंदौर सहित सीमावर्ती जिलों उज्जैन, देवास, धार और खरगोन की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने का आदेश दिया गया था।

इसके बावजूद आरोपी बिना किसी वैध अनुमति के इंदौर में रह रहा था और निष्कासन आदेश का उल्लंघन कर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 14 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला बदर बदमाशों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

# ब्रिक्स कृषि सम्मेलन के विदेशी प्रतिनिधियों ने किया ग्रामीण हाट का भ्रमण

## विदेशी मेहमानों के मन में छायी प्रदेश की ओडीओपी फसलें विदेशी मेहमान हुए प्रभावित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर में 9 से 13 जून 2026 तक आयोजित ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि कांफ्रेंस में सहभागी बनने आए विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों एवं विदेशी मेहमानों ने मंगलवार को इंदौर के प्रसिद्ध ग्रामीण हाट बाजार का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट कृषि उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प, प्राकृतिक खेती आधारित उत्पादों तथा एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के अंतर्गत विकसित उत्पादों का अवलोकन किया।

विदेशी प्रतिनिधियों के ग्रामीण हाट आगमन पर उनका मालवा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप आत्मीय स्वागत किया गया। अतिथियों को पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया तथा जनजातीय कलाकारों द्वारा मनमोहक लोक एवं जनजातीय नृत्य प्रस्तुत कर मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। जनजातीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य ने विदेशी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। अनेक प्रतिनिधि स्वयं भी नृत्य दल के साथ शामिल हुए और जनजातीय धुनों पर उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए।

ग्रामीण हाट में मध्यप्रदेश की कृषि विविधता, स्थानीय उद्यमिता, महिला स्व-सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, मूल्य संवर्धन आधारित कृषि मॉडल तथा प्रदेश की समृद्ध वस्त्र एवं हस्तशिल्प परंपरा को प्रदर्शित किया गया था। विदेशी प्रतिनिधियों ने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर उत्पादों की जानकारी प्राप्त की तथा उत्पादकों से संवाद भी किया।

भ्रमण के दौरान ओडीओपी के अंतर्गत प्रदर्शित बुरहानपुर जिले के केले से निर्मित मूल्य संवर्धित उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। प्रतिनिधियों ने केला चिप्स, केला कुकीज़ तथा केले के रेशों से निर्मित वस्त्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की और कृषि आधारित प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन की इस पहल की सराहना की।

बालाघाट जिले के स्टॉल पर प्रदर्शित जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल के साथ-साथ रीवा जिले के जीआई टैग प्राप्त सुंदरजा एवं अन्य प्रजातियों के आमों ने भी विदेशी मेहमानों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिनिधियों ने विभिन्न आम प्रजातियों का स्वाद चखा तथा उनकी गुणवत्ता, स्वाद एवं सुगंध की प्रशंसा की।

# ट्रेड लाइसेंस बनवाने और नवीनीकरण के लिए निगम की अपील, सात दिन बाद होगी कार्रवाई

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम इंदौर ने शहर की सीमा में संचालित सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और संस्थानों से ट्रेड लाइसेंस बनवाने अथवा उसका समय पर नवीनीकरण कराने की अपील की है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के व्यवसाय संचालन नियमों के विरुद्ध है और ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार निगम ने व्यापारियों और संस्थान संचालकों को सात दिन की समय-सीमा देते हुए कहा है कि जिनके पास ट्रेड लाइसेंस नहीं है या जिनका लाइसेंस समाप्त हो चुका है, वे निर्धारित अवधि के भीतर नया लाइसेंस प्राप्त करें अथवा उसका नवीनीकरण करा लें। इसके बाद नगर निगम विशेष जांच अभियान चलाकर नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई करेगा। आवश्यक होने पर दुकानों और संस्थानों को सील भी किया जा सकता है।

नगर निगम के अनुसार सभी व्यवसायियों को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से आगामी सात दिनों के भीतर अपनी लाइसेंस संबंधी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद होने वाली कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित व्यवसायी और संस्थान संचालक की होगी।

व्यवसायी ट्रेड लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए नगर निगम की वेबसाइट पर आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा नगर निगम के लाइसेंस विभाग में कार्यालयीन समय के दौरान संपर्क कर भी प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

निगम ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए केवल पूर्व वर्ष का ट्रेड लाइसेंस अथवा उसकी रसीद प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। वहीं नया ट्रेड लाइसेंस बनवाने के लिए व्यवसाय स्वामी का नवीन फोटो, दुकान या संस्थान का फोटो, आधार कार्ड, संपत्ति कर की अद्यतन रसीद, किराये के परिसर में व्यवसाय होने पर रेंट एग्रीमेंट तथा व्यापार स्थल का बिजली बिल प्रस्तुत करना होगा।

# प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने किया अभिषेक-पूजन

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बुधवार को सांवेर विधानसभा क्षेत्र के धरमपुरी स्थित काशी विश्वनाथ धाम मंदिर में विशेष -पूजन एवं आराधना की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं राष्ट्र के निरंतर विकास की कामना की गई।

मंत्री श्री सिलावट ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक कर देश की समृद्धि, विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके नेतृत्व में देश ने वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है तथा करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

श्री सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा संचालित जन-धन योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अनेक जनहितैषी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया है। महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और युवाओं को अवसर प्रदान करने की दिशा में भी ऐतिहासिक कार्य हुए हैं।

कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना की। कार्यक्रम का समापन महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

# मनुष्य को अच्छे बुरे कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है, अन्याय व अनीति का जीवन ना जीएं-मुनि प्रणम्य सागर

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्यसागरजी महाराज ने तारबंगला मंदिर परिसर में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा पूर्व जन्म के संस्कारों व कर्म बंध से वर्तमान जीवन निर्धारित होता है। बड़े बड़े महापुरुषों को भी अपने कर्मफल भोगने पडे। मुनिश्री ने कहा रावण महान ज्ञानी व श्रेष्ठ राजा था, परन्तु उसे अपने कर्मों का फल मिलना था इसलिये वह सीता पर मोहित हुआ और अंत में राम के हाथों मरण को प्राप्त हुआ , दूसरी ओर राम के पूर्वोपार्जित कर्मों के कारण राम को वनवास जाना पड़ा और सीता हरण के निमित्त के कारण रावण का वध करना पड़ा। मुनिश्री ने रावण की पटरानी मंदोदरी को मंदसौर की पुत्री होने की चर्चा करते हुए कहा मंदोदरी ने सीता को

वापस भेजने के लिए रावण को कई बार समझाया पर रावण अपने कर्मों के अधीन था अतः सही बात भी उसने नहीं मानी और अंत में राम के हाथों मरण को प्राप्त हुआ।

मुनिश्री ने कहा सामाजिक दृष्टि से जो गलत कार्य हैं वो नहीं करे, अन्याय और अनीति का जीवन नहीं जीएं। हमारा जीवन हमारे कर्मों के अधीन है। कर्मतंत्र से ही दुनिया संचालित हो रही है। जीवन को सफल बनाने के लिए श्रेष्ठ कार्य करने होते हैं। डॉ चंदा भरत कोठारी ने यह जानकारी देते हुए बताया धर्मसभा के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्वलन व मुनिश्री के पाद प्रक्षालन सर्वश्री डॉ वीरेंद्र गांधी परिवार, अभिनंदन भाचावत परिवार व प्रियंका जैन मेरठ द्वारा किये गये।

मुनिश्री के करकमलों में शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सिंधी समाज के संरक्षक श्री दृष्टानंद नैनवानी, श्री वासुदेव खेमानी, अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, महामंत्री राजेश आहूजा, कांग्रेस नेता निर्विकार रेखा रातड़िया, मनोज जैन बनी, विशाल गोदावत, सुरेश पाटनी, रमेश जैन, प्रदीप पहाड़िया, महावीर प्रकाश अग्रवाल आदि को प्राप्त हुआ। श्री पार्श्वनाथ जिनालय आदिनाथ विहार समाज द्वारा श्रीफल व अर्घ्य भेंट कर मुनिवर से आदिनाथ विहार पधारने की विनती की गई। प्रो. अशोक अग्रवाल ने संबोधित किया। प्रारंभ में मंगलाचरण श्रीमती मीना गोदावत व सारिका दोशी ने प्रस्तुत किया, संचालन डॉ चंदा भरत कोठारी ने किया।

श्री प्रणम्यसागरजी प्रवास समिति अध्यक्ष श्री जयकुमार बड़जात्या ने बताया प्रतिदिन शाम 7 बजे मुनिसंघ के सानिध्य में शंका समाधान, आनंद यात्रा व मुनिश्री की महाआरती के भी भव्य आयोजन हो रहे हैं जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन सम्मिलित हो रहे हैं।

# मंदसौर में 132 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी एक हजार कैदियों की क्षमता वाली आधुनिक नवीन जेल

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में मंदसौर में एक हजार कैदियों की क्षमता वाली अत्याधुनिक नवीन जिला जेल के निर्माण को अंतिम स्वीकृति प्राप्त हो गई है। कलेक्टर अदिति गर्ग के विशेष प्रयासों एवं सतत अनुश्रवण के परिणामस्वरूप मुख्य सचिव की बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अंतिम मंजूरी प्रदान की गई है। नवीन जेल का निर्माण लगभग 132.67 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वर्तमान में संचालित जेल की सीमित क्षमता एवं बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवीन जेल का निर्माण आधुनिक सुविधाओं एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया जाएगा। यह जेल वर्तमान उपजेल से लगभग 8 किलोमीटर दूर ग्राम भूकी, तहसील मंदसौर में जेल विभाग को आवंटित 15.85 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित की जाएगी। नवीन जेल परिसर में एक हजार कैदियों के आवास हेतु पर्याप्त क्षमता वाली बैरकों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक भवन, प्रवेश भवन, ऑडिटोरियम, प्रशिक्षण भवन, वर्कशॉप, अस्पताल, महिला झूलाघर, गार्ड रूम, खुली जेल, वॉच टावर, भंडार गृह एवं आवासीय भवनों का निर्माण भी प्रस्तावित है।

जेल परिसर की सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए बाउंड्री वॉल, मुख्य प्रवेश द्वार एवं अन्य विकास कार्य भी किए जाएंगे। नवीन जेल के निर्माण के लिए ग्राम भूकी स्थित भूमि पूर्व में जेल विभाग को आवंटित की जा चुकी है। इसमें खसरा क्रमांक 21 रकबा 5.79 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 24 रकबा 1.90 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 27 रकबा 3.18 हेक्टेयर तथा खसरा क्रमांक 28 रकबा 4.98 हेक्टेयर भूमि सम्मिलित है। कुल 15.85 हेक्टेयर क्षेत्र में इस आधुनिक जेल परिसर का विकास किया जाएगा। यह परियोजना जिले की न्यायिक एवं कारागार व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। नवीन जेल के निर्माण से कैदियों के आवास, सुरक्षा, प्रशिक्षण, पुनर्वास एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार आएगा तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित कारागार व्यवस्था विकसित हो सकेगी। कलेक्टर अदिति गर्ग ने बताया कि शासन स्तर पर इस परियोजना को स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य की आगामी प्रक्रियाएं शीघ्र प्रारंभ की जाएंगी। यह परियोजना जिले के विकास एवं आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

## नवाचारः जायद फसलों में खरबूज-तरबूज की खेती से समृद्ध हो रहे नीमच के किसान

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नीमच जिले में जायद फसलों से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से कृषकों द्वारा नवाचार के रूप में खरबूज एवं तरबूज की खेती को अपनाया जा रहा है, जो किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

रकबे में उल्लेखनीय वृद्धिः वर्ष 2024-25 में जहां जिले में खरबूजे का रकबा 700 हेक्टेयर था, वहीं वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर 1200 हेक्टेयर (खरबूज) एवं 300 हेक्टेयर (तरबूज) कर दिया गया है। उप संचालक उद्यानिकी श्री अतरसिह कन्नौजी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि गांधी सागर (रामपुरा) के डूब क्षेत्र में स्थित मनासा तथा जावद विकासखण्ड के किसानों को उद्यानिकी विभाग द्वारा खरबूज-तरबूज की खेती के लिए प्रेरित किया गया है। इसके फलस्वरूप किसान खरबूजे एवं बीज-मगज की खेती से प्रति हेक्टेयर लगभग 4.00 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

1125 किसानों को 60 करोड़ की आयः जायद सीजन में अन्य विकल्पों के अभाव में भी खरबूज एवं तरबूज की खेती 1125 किसानों के लिए आय का प्रमुख साधन बनी है। इससे किसानों को लगभग 60.00 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हो रही है। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, उन्नत बीज एवं विपणन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे परंपरागत खेती के साथ-साथ नवाचार को भी बढ़ावा मिल रहा है।

# मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त करने के विरूद्ध कांग्रेसजनों ने किया धरना प्रदर्शन रखा उपवास

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा चुनाव हेतु नामांकन निरस्त किया गया। इसे लेकर शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में बुधवार 10 जून को प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी चौराहा पर उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय, नवकृष्ण पाटिल, मो. हनीफ शेख रफत पयामी मनजीतसिंह टूटेजा, इष्टा भाचावत अध्यक्ष, शहर ब्लॉक कांग्रेस, विकास दशौरा ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, राजेश रघुवंशी, अजय लोढा, दीपक सिंह गुर्जर, तरुण खींची विश्वनाथ सोनी रमेश ब्रिजवानी रमेश सेठिया सक्लेन करार शंकरलाल पाटीदार शंभूलाल चौहान उमर मों. सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा

कि राज्यसभा चुनाव में लोकतंत्र की हत्या करते हुए झूठ, षड्यंत्र और सत्ता के दुरुपयोग के माध्यम से पूर्व सांसद आदरणीय मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन निरस्त किया गया। यह लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। इस अन्याय के विरोध में आज उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर महेन्द्र सिह गुर्जर, प्रकाश रातड़िया, त्रिदेव पाटीदार, विक्रम विद्यार्थी, पुष्पा भारतीय, मनजीतसिह टूटेजा, अजय लोढा, डॉ प्रीतिपालसिंह राणा, इष्टा भाचावत, विकास दशौरा, दीपक सिंह गुर्जर, सुनिता बंडी, प्रवीण मांगरिया, मो युनुस मेव, मो खलील खान, वर्षा सांखला, निर्विकार रातडिया, राजेश चौधरी, दिनेश नाई, सुरेन्द्र कुमावत, रविन्द्र कुमावत भालोट, विशाल गुर्जर, सुरेश भाटी, इंजि वसीम खान, रमेश ब्रिजवानी, शायर सकलैन, कैलाश मनवानी आदि शामिल रहे।

# नाकोडा कॉमप्लेक्स में हुई चोरी के आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

## चोरी कर सांवरिया सेठ मंदिर राजस्थान के पास लॉज में छुपा था आरोपी

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कोतवाली पुलिस नेहरु बस स्टेंड के पास स्थित नाकोडा काम्पलेक्स में हुई चोरी की घटना के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। चोरी कर सांवरिया सेठ मंदिर राजस्थान के पास लॉज में आरोपी छुपा था।

घटना अनुसार दिनांक 08 जून को फरियादी पुनित पिता मथुरालाल गुप्ता उम्र 35 साल निवासी मयूर कोलोनी मंदसौर के द्वारा थाना कोतवाली पर आकर रिपोर्ट किया की उसकी मोबाईल रिपेयरिंग व एसेसरीज की दुकान नाकोडा काम्पलेक्स जो की नेहरु बस स्टेंड के पास स्थित है। उक्त दुकान में दिनांक 07 -08 जुन 2026 की मध्य रात्री दुकान का ताला तोड कर शटर खोलकर सेक्शन के दरवाजे का कांच फोडकर दुकान से मोबाईल एवं नगदी रुपये एवं मोबाईल की एसेसरीज, स्मार्ट वांच, ईयरबर्ड चोरी कर लिये एवं काम्पलेक्स मे ही स्थित सतीश माहेश्वरी की दुकान से भी मोबाईल से संबधित

सामान चोरी किया व पूजा बेल्ट की दुकान, बजरंग मोबाईल की दुकान, विहत मोबाईल की दुकान के भी ताले टुटना बताया। अनुसंधान के दौरान घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा एवं पुलिस कंट्रोल रुम के सीसीटीवी कैमरा का अवलोकन किया गया। आरोपी के आने जाने के रुट को ट्रेक किया गया एवं अज्ञात आरोपी की पतारसी मुखबीर तंत्र सक्रीय करके भी की गई। मुखबीर तंत्र एवं तकनिकी जानकारी के आधार पर उक्त घटना के आरोपी के सांवरिया सेठ मंदिर जिला चित्तोडगढ राजस्थान में होने की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस टीम भेजी जाकर आरोपी को अभिरक्षा मे लिया गया। आरोपी सुनिल पिता नरेन्द्र शर्मा उम्र 19 साल निवासी ग्राम कुचडौद थाना अफलजपुर मंदसौर है। आरोपी के कब्जे से चोरी गये मोबाईल, एसेसरीज आदि सामग्री जप्त की गई। आरोपी द्वारा पूर्व मे भी नाबालिक अवस्था में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस सराहनीय कार्य में निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ थाना प्रभारी कोतवाली, उनि शैलेन्द्र सिह कनेश, प्रआर कमलेश सिंह भदौरिया, आरक्षक मुजफ्फर उद्दीन (सायबर सेल जिपुका), हरिश राठौर, भानुप्रताप सिंह नरेन्द्र सिंह, भारत बैरागी, सुनिल किरार, सुरेश चौहान, योगेश साहू, मनीष धौलपुरिया, अरुण पंवार, मआर शायर गुर्जर, महेश चौहान (सीसीटीवी कंट्रोल रुम) की सराहनीय भूमिका रही।

# सिंगोली में श्रमदान से चमक रही देव तलाई, दो जागरूक नागरिक बने मिसाल

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर की प्राचीन एवं धार्मिक आस्था का केंद्र देव तलाई इन दिनों दो जागरूक नागरिकों के निस्वार्थ सेवा भाव का साक्षी बन रही है। नगर के शंभूलाल सुथार एवं भेरूलाल धाकड़ द्वारा स्वयं श्रमदान कर देव तलाई की नियमित सफाई की जा रही है, जिससे क्षेत्र में स्वच्छता एवं जनजागरण का सकारात्मक संदेश प्रसारित हो रहा है। दोनों समाजसेवी तलाई में फैली गंदगी, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को स्वयं पानी में उतरकर बाहर निकाल रहे हैं तथा उसके उचित निस्तारण का कार्य कर रहे हैं। उनके इस सराहनीय प्रयास से देव तलाई का स्वरूप निखर रहा है और जल स्रोत को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण

योगदान मिल रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार देव तलाई का जल विशेष धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व रखता है। मान्यता है कि इस जल में स्नान करने से चर्म रोगों में लाभ मिलता है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश के साथ-साथ राजस्थान से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां स्नान एवं दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कई लोग इसकी तुलना तिलस्वां महादेव के पवित्र जल से भी करते हैं।

सफाई अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि स्वच्छता और जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

जनसहभागिता से ही पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ समाज का निर्माण संभव है।

नगरवासियों ने शंभूलाल सुथार एवं भेरूलाल धाकड़ के इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की है। उन्होंने इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताते हुए अन्य लोगों से भी सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा नगर को सुंदर बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

# जिला स्तरीय एनकॉर्ड कमेटी की बैठक संपन्न

**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आज जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक कुमार लाल, यातायात डीएसपी श्री आनंद सोनी, एसडीएम रतलाम ग्रामीण श्री विवेक सोनकर,डीन मेडीकल कालेज अनिता मुथा, उप संचालक सामजिक न्याय संध्या शर्मा, सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में नशामुक्ति अभियान के तहत नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार एवं पुनर्वास के लिए सतत कार्यवाही करने तथा उपचार के बाद नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महाविद्यालयों में संचालित ड्रग अवेयरनेस क्लबों की गतिविधियां निरंतर जारी रखने और नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर जोर दिया गया।

समिति ने संबंधित विभागों को निदान पोर्टल पर कार्रवाई का विवरण नियमित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। नशामुक्ति एवं एंटी ड्रग अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता संबंधी सामग्री प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए। ड्रग माफियाओ के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन पर भी चर्चा की गई।

# प्रभु भक्ति और सेवा का संगमः प्रशासन के महत्वपूर्ण पदों पर समाज के रत्न स्पष्ठरूपराग जैन, जैन समाज ने जताया गौरव

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी उसके संस्कार, उसकी श्रद्धा और उसके वे व्यक्तित्व होते हैं जो सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से समाज का नाम रोशन करते हैं। नीमच में ऐसा ही गौरवपूर्ण अवसर तब देखने को मिला जब दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जिनागम के प्रतिनिधिमंडल ने नीमच के नवपदस्थ एसडीएम श्री पराग जैन से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रतिनिधिमंडल ने पराग जैन को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए चैतन्य चमत्कारी संकट मोचन पार्श्वनाथ प्रभु के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की। समाजजनों ने कहा कि प्रभु की असीम कृपा और पुण्योदय से समाज के अनेक प्रतिभाशाली अधिकारी आज महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर पहुंचकर जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

समाज के वरिष्ठजनों ने इस अवसर पर विशेष रूप से उल्लेख किया कि वर्तमान में कलेक्टर कार्यालय एवं जिला पंचायत जैसे महत्वपूर्ण कार्यालयों में पराग जैन, जय कुमार, अतुल खटोड़ एवं आशीष जैन जैसे अधिकारी अपनी सेवाओं, कार्यकुशलता और जनहितकारी सोच से आमजन की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि संपूर्ण जैन समाज के लिए गर्व, प्रेरणा और सम्मान का विषय है।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जब समाज के संस्कारित युवा प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक पहुंचते हैं तो सेवा और संवेदनशीलता दोनों का समावेश दिखाई देता है। यही कारण है कि समाज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

ग्रुप अध्यक्ष मनोज विनायका ने कहा कि समाज की वास्तविक पहचान केवल मंदिरों और परंपराओं से नहीं, बल्कि उन व्यक्तित्वों से भी बनती है जो अपने आचरण, कर्तव्य और सेवा से समाज का मस्तक ऊंचा करते हैं। आज प्रशासनिक दायित्वों पर समाज के प्रतिनिधियों को देखकर प्रत्येक समाजजन गौरव की अनुभूति कर रहा है।

ग्रुप सचिव अमन विनायका ने कहा कि यह केवल पद प्राप्ति का विषय नहीं, बल्कि संस्कारों की विजय का प्रतीक है। जब प्रभु भक्ति, शिक्षा और सेवा का संगम होता है, तब समाज को ऐसे अधिकारी मिलते हैं जो जनहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करते हैं और पूरे समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जिनागम ने सभी अधिकारियों को साधुवाद देते हुए उनके सफल, पारदर्शी और जनकल्याणकारी कार्यकाल की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि प्रभु पार्श्वनाथ का आशीर्वाद और समाज के संस्कार उन्हें निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे तथा वे जनसेवा के माध्यम से समाज और जिले का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

# नीमच जिले में 87,846 हेक्टेयर में उद्यानिकी फसलें

## मसाला फसलों का रकबा सर्वाधिक 53,374 हेक्टेयर, औषधीय फसलें 13,137 हेक्टेयर में

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नीमच जिले में उद्यानिकी फसलों का रकबा लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 87,846.00 हेक्टेयर में उद्यानिकी फसलें लगाई गई हैं।

फसलवार रकबा विवरणः फल फसलेंः संतरा, अमरूद आदि - 10,022.00 हेक्टेयर, सब्जी फसलेंः टमाटर, गोभी, मटर आदि - 10,874.00 हेक्टेयर, मसाला फसलेंः लहसुन, धनिया, मैथी, प्याज आदि - 53,374.00 हेक्टेयर, औषधीय एवं सुगंधित फसलेंः अश्वगंधा, ईसबगोल, शतावरी, चिरायता आदि- 13,137.00 हेक्टेयर, पुष्प फसलेंः गेंदा, गुलाब आदि - 439.00 हेक्टेयर है।

एक जिला एक उत्पाद योजना में उप संचालक उद्यानिकी श्री अतर सिह कन्नौजी ने बताया, कि ODOP योजना प्रारंभ वर्ष 2020-21 से अब तक 297 इकाइयों की स्थापना हेतु 3930.83 लाख रुपये ऋण स्वीकृत किया गया। इनमें से 266 इकाइयों को 3321.78 लाख का ऋण वितरण किया जा चुका है। इनमें हितग्राहियों को कुल 1366.95 लाख रुपये अनुदान का लाभ प्राप्त हुआ है।

स्थानीय ब्रांडों को राष्ट्रीय बाजारः जिले के हितग्राही विश्वकर्मा हाईटेक कृषि फार्म, कस्तूरी, मालवा बाइट्स, स्पाईसी जायका, भगत जी मसाला, महारानी मसाला, अग्निपुष्प, अमृत कुम्भ, नरम पुड़ी, गोलचा सेठ, गोपाल कृष्ण आदि ब्रांड नेम से अपने उत्पादों को स्थानीय बाजार एवं अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से उदयपुर, दिल्ली, जयपुर, इंदौर, उज्जैन में विक्रय कर अच्छा लाभ अर्जित कर रहे हैं।

औषधीय फसलों का हब बना नीमचः नीमच जिला औषधीय मण्डी एवं औषधीय फसलों में विशेष स्थान रखता है। यहां मुख्य रूप से अश्वगंधा, ईसबगोल, तुलसी, कालमेघ, सफेद मूसली, शतावर, कलौंजी, चिया एवं अन्य औषधीय फसलों की खेती की जा रही है।

संरक्षित खेती को बढ़ावाः ग्राम रणावतखेड़ा, वि.खं. जावद को संरक्षित खेती क्लस्टर बनाकर पूर्व वर्ष में 65,575 वर्ग मीटर एवं इस वर्ष MIDH-26,975 वर्ग मी., Cluster-65,400 वर्ग मीटर एवं राज्य योजना 6,000 वर्ग मीटर इस प्रकार कुल 1,63,950 वर्ग मीटर में शेडनेट हाउस का निर्माण करवाया गया है। इससे कृषक उच्च मूल्य सब्जियों की खेती कर कम लागत में अधिक गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं।

भंडारण क्षमता में वृद्धिः उद्यानिकी फसलों के मूल्य संवर्धन हेतु जिले में 4 कोल्ड स्टोरेज क्षमता-19,075 मेट्रिक टन, 1 राईपनिंग चेम्बर क्षमता-162.32 मेट्रिक टन एवं 376 प्याज भण्डार गृह क्षमता-18,800 मेट्रिक टन का निर्माण कराया गया है।

सिंचाई सुविधाओं का विस्तारः प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 415 कृषकों को 408.80 हेक्टेयर के लिए ड्रिप/मिनी स्प्रिंकलर एवं पोर्टेबल संयंत्र स्थापना हेतु लघु/सीमान्त कृषकों को 55त्न एवं बड़े कृषकों को 45त्न अनुदान सहायता दी गई है।

## कलेक्टर की संवेदनशील पहल- गम्भीर बीमारी से पीड़ित बालिका के उपचार हेतु रेडक्रास से 1 लाख की सहायता स्वीकृत

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की संवेदनशील पहल पर गम्भीर बीमारी से पीड़ित एक बालिका के उपचार हेतु भारतीय रेडक्रास सोसायटी, नीमच से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

प्रकरण का विवरणः वार्ड नं. 20, प्रतापनगर, ग्राम कनावटी निवासी आवेदक श्री किशनलाल पिता लालाराम गाड़िया लोहार ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था कि उनकी पोती संजना पिता मोहन गाड़िया लोहार विगत डेढ़ माह पूर्व अत्यंत गंभीर अवस्था में पैसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में उपचारत है।

आर्थिक तंगी में करवा रहे थे इलाजः आवेदक ने बताया, कि पीड़ित के पिता द्वारा कर्ज लेकर उपचार करवाया जा रहा है, जिससे परिवार आर्थिक संकट में है।

कलेक्टर के निर्देश पर त्वरित कार्रवाईः कलेक्टर श्री चंद्रा द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में रेडक्रास सोसायटी नीमच द्वारा बालिका के उपचार हेतु एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक तैयार कर प्रदान किया गया है। भारतीय रेडक्रास सोसायटी, शाखा नीमच की प्रभारी अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने जानकारी देते हुए बताया, कि जिला प्रशासन द्वारा गंभीर बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद परिवारों को रेडक्रास एवं अन्य शासकीय योजनाओं से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

# यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भूतेश्वर महादेव मंदिर में हुआ धार्मिक आयोजन

## साथ ही शुरू हुआ विशेष जनसंपर्क अभियान

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** 10 जून 2026 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में निरंतर सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने का गौरवपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया। यह अवसर प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता एवं राष्ट्रभक्त नागरिक के लिए गौरव, प्रेरणा और उत्सव का विषय है।

जिला मीडिया प्रभारी मनोज माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष के सफल नेतृत्व पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्रसेवा के यशस्वी भविष्य की कामना हेतु भूतेश्वर महादेव मंदिर, नीमच में बुधवार, 10 जून को प्रातः 10:00 बजे से भारतीय जनता पार्टी जिला नीमच द्वारा भगवान भोलेनाथ का विशेष पूजन अभिषेक कर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए गये।

कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, सामूहिक पूजन एवं आरती का आयोजन किया गया तथा भारत की उन्नति, समृद्धि एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प की सिद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की गई। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत समाजसेवी पूर्व रोटरी गवर्नर दर्शनसिंह गांधी एवं श्रीमती सरोज गांधी से उनके निवास पर जाकर प्रधानमंत्री मोदी जी के 12 वर्ष के कार्यकाल पर उनके विचार साझा किए। दर्शन सिंह गांधी ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि मोदी जी द्वारा उनके कार्यकाल में विभिन्न योजनाएं जिसमें उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, आयुष्मान योजना ऐसी अनेकों अनेक कई सौगात देश को दी है, जिससे लाखों करोड़ों लोगों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है और साथ ही प्रधानमंत्री जी ने पूरे विश्व में भारत का नाम गोरांवित किया है।

समाजसेवी अशोक जी ने मोदी जी के कार्यकाल को स्वर्णिम ऐतिहासिक बताया एवं इन 12 सालों में देश के विकास ने जो रफ्तार पकड़ी है और आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं यह अद्भुत अकल्पनीय है।

जनसंपर्क अभियान के तहत मधुसूदन खंडेलवाल, पुरुषोत्तम गुप्ता, अशफाक भाई बोहरा, ओपी मंत्री आदि अनेक प्रबुद्धजनों से घर-घर जाकर संवाद किया गया एवं मोदी जी के 12 साल पूर्ण होने पर उनके अनुभव साझा किये जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी को सबका साथ सबका विकास की भावना को लेकर हर वर्ग के कल्याण हेतु काम करने वाला प्रधानमंत्री बताया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हेमंत हरित, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा, जिला उपाध्यक्ष राकेश पप्पू जैन, महामंत्र धन सिंह कैथवास, मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह राणावत, दारा सिंह यादव, महामंत्री विक्की छाबड़ा, ज्योति सिसोदिया, अर्जुनसिंह सिसोदिया, योगेश जैन, मनोज महेश्वरी, किरण शर्मा, अशोक जोशी, रोशन वर्मा, अरुणा तलरेजा, विकास नामदेव, निशांत अम्ब, अमन दीवान, कृष्णा मेहरा, योगेश कवीश्वर, सतीश हास, विनीत पाटनी ,संजय डांगी, राजेश बैरागी, श्रीमती अंजू यादव, विकास जोशी, रवि जैन, पवन बैरागी, अजेश जाट, शौकीन पामेचा, गजेंद्र चावला, दीपक नागदा, अनुज चौहान ,ओम सिंह लसूडी हाडा तथा पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# सम्पादकीय

## सरकारी तंत्र में भटकती जवाबदेही

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के मूल्यांकन में गड़बड़ी के बाद जब केंद्र सरकार ने इस संस्था के चेयरमैन राहुल सिंह को उनके पद से हटाया तो ऐसा लगा कि अंततः उसने अपनी किरकिरी कराने वाले इस मामले में जवाबदेही तय करना आवश्यक समझा, लेकिन जल्द ही खबर आई कि उन्हें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव बना दिया गया। आखिर यह कैसी कार्रवाई और जवाबदेही? इस तबादले से उनकी सेहत पर क्यों असर पड़ने वाला? उनके साथ सीबीएसई के सचिव पद से हटाए गए हिमांशु गुप्ता को उनके मूल कैडर भेज दिया गया।

संभवतः कुछ समय तक केंद्र में उन्हें प्रतिनियुक्ति न मिले, लेकिन इसे भी किसी तरह की कठोर कार्रवाई कहना कठिन है। सीबीएसई मामले में तो फिर भी दो अधिकारियों का तबादला किया गया। इससे अधिक गंभीर नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण में तो कुछ भी नहीं किया गया। इस परीक्षा को आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए के किसी अधिकारी का न तो स्थानांतरण हुआ और न ही निलंबन। यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा था कि इस मामले में जवाबदेही तय किए बिना इस तरह की घटनाओं को रोका नहीं जा सकता।

नीट पेपरलीक मामले में सरकार और विशेष रूप से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान विपक्ष के निशाने पर हैं। कांग्रेस के अलावा बीते दिनों काकरोच जनता पार्टी ने भी दिल्ली में प्रदर्शन कर उनका इस्तीफा मांगा। यह ठीक है कि यह प्रदर्शन फीका रहा और वह कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाया, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि नीट पेपरलीक मामला गंभीर नहीं और सरकार की जवाबदेही की जरूरत खत्म हो जाती है। चूंकि मोदी सरकार के अब तक के कार्यकाल में किसी गड़बड़ी या गलती के लिए किसी मंत्री का त्यागपत्र नहीं लिया गया, इसलिए शिक्षा मंत्री के भी इस्तीफे के कोई आसार नहीं। कहना कठिन है कि मोदी सरकार अपने इस तीसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल करेगी या नहीं और जब ऐसा होगा तो कसौटी पर खरा न उतर पाने या सरकार की किरकिरी कराने वाले मंत्रियों की छुट्टी होगी या नहीं, लेकिन नीट पेपरलीक बहुत ही गंभीर मामला है।

दोबारा परीक्षा देने के तनाव में कई छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। आखिर कोई इसकी जिम्मेदारी लेगा या नहीं? यह सही है कि किसी बड़ी गलती-गड़बड़ी या घटना-दुर्घटना के कारण यदि किसी अधिकारी को बर्खास्त किया जाता है अथवा किसी मंत्री का इस्तीफा लिया जाता है तो उससे समस्या का समाधान नहीं हो जाता, लेकिन जब ऐसा होता है तो जन भावनाओं को संतुष्टि मिलती है और लोगों का रोष एवं आक्रोश कम होता है। जब ऐसा कुछ नहीं होता तो सवाल उठता है कि आखिर जवाबदेही और नैतिक जिम्मेदारी नाम की कोई चीज होती है या नहीं?

बात केवल परीक्षाओं में गड़बड़ी और उसके चलते लाखों छात्रों के परेशान होने और उनमें से कुछ के आत्महत्या करने की ही नहीं है। अन्य अनेक मामलों में भी सरकारी तंत्र की जवाबदेही बड़ी मुश्किल से तय होती है। इसका ताजा उदाहरण है दिल्ली में अवैध तरीके से बने और अग्निशमन विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र के बिना चल रहे होटल में आग लगने से 22 लोगों की मौत की। इनमें से कई विदेशी थे, जो अपने परिवार वालों के उपचार के लिए दिल्ली आए थे। 22 लोगों की मौत के बाद होटल के मालिक और रसोइए को तो गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन नगर निगम, अग्निशमन विभाग आदि के किसी कर्मचारी-अधिकारी का निलंबन तक नहीं किया गया, जबकि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी होनी चाहिए थी। आखिर दोषी केवल होटल मालिक नहीं, जिसने छह की जगह 25 कमरे बना लिए। दोषी तो वे सब भी हैं, जिन्होंने अवैध निर्माण होने दिया। किसी इमारत में अवैध रूप से छह से 25 कमरे बना लेना कोई ऐसा काम नहीं कि उसे कोई देख न पाए। साफ है कि भ्रष्टाचार के चलते यह अवैध होटल बना और चला। क्या यह निराशाजनक नहीं कि दिल्ली में सरकार बदल गई, लेकिन उसके तहत काम करने वाली सरकारी एजेंसियों का कार्य-व्यवहार नहीं बदला?

हम इस पर गर्व करते हैं और करना भी चाहिए कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन बड़ा ही है, बेहतर नहीं और इसका एक प्रमुख कारण है सरकारी तंत्र में जवाबदेही का अभाव। इस अभाव के चलते जिस तरह बार-बार एक जैसे कारणों से परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होते रहते हैं, वैसे ही अवैध निर्माण होते रहते हैं अथवा नई बनी सड़कें दोयम दर्जे के निर्माण के कारण ध्वस्त हो जाती हैं। इसी तरह करीब-करीब सभी शहरों में एक जैसे कारणों से हादसे होते रहते हैं, जिनमें लोग मरते भी हैं। कभी यह सामने आता है कि किसी जर्जर इमारत को दो से चार मंजिल का बना दिया गया और कभी यह कि आग की चपेट में आया कोई होटल या रेस्त्रां अवैध तरीके से संचालित हो रहा था और उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं थे। यहां तक कि अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं था। यदि भ्रष्टाचार को नियंत्रित करना है, सुशासन को सचमुच स्थापित करना है और भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनाना है तो शासन तंत्र का जवाबदेह होना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है।

## सहजयोग में निर्विचार समाधि का महत्व



सहजयोग में निर्विचार समाधि को आत्मसाक्षात्कार के बाद प्राप्त होने वाली एक अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अवस्था माना जाता है। यह वह स्थिति है जिसमें साधक विचारों के निरंतर प्रवाह से ऊपर उठकर शुद्ध चेतना और वर्तमान क्षण की जागरूकता में स्थापित हो जाता है। इस अवस्था में मन शांत हो जाता है, किन्तु व्यक्ति पूर्णतः सजग और सचेत रहता है।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने निर्विचार समाधि के विषय में कहा है कि, विचारों के लुप्त होने का अर्थ है, आप स्वयं में ही विलीन हो गए। यही वास्तविकता है, परन्तु आप जागरूक भी हैं। अर्थात् निर्विचारता कोई अचेतन अवस्था नहीं है, बल्कि यह जागृत चेतना की सर्वोच्च अवस्था है जहाँ साधक वास्तविकता का प्रत्यक्ष अनुभव करता है। श्री माताजी ने यह भी कहा है कि, साधक में निर्विचार स्थिति प्राप्त होना उन्नति की पहली सीढ़ी है। सहजयोग के अनुसार जब कुण्डलिनी शक्ति आज्ञा चक्र को पार कर सूक्ष्म क्षेत्र में प्रवेश करती है, तब निर्विचारता स्थापित होने लगती है। यह अवस्था साधक के भीतर शांति, संतुलन और आध्यात्मिक शक्ति का विकास करती है। श्री माताजी के शब्दों में- निर्विचार समाधि आपको शान्ति प्रदान करती है और आपकी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती जाती है।

निर्विचारता में रहने से व्यक्ति के भीतर एक गहरा आंतरिक परिवर्तन आता है। समस्याओं के समाधान सहज रूप से प्राप्त होने लगते हैं, मानसिक तनाव कम हो जाता है और दिव्य शक्ति का मार्गदर्शन जीवन में स्पष्ट रूप से अनुभव होने लगता है। इस प्रकार निर्विचार समाधि सहजयोग की साधना का मूल आधार और आत्मिक उत्कर्ष का द्वार है।

सहजयोग केवल ध्यान की एक पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन को संतुलित, शांत और आनंदमय बनाने का एक समग्र मार्ग है। नियमित सहजयोग ध्यान से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, करुणा और संतोष का विकास होता है जिससे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होता है। परम पूज्य श्री माताजी ने सिखाया कि सहजयोग का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत कल्याण नहीं, बल्कि मानवता के सामूहिक उत्थान और विश्व शांति की स्थापना भी है। नियमित ध्यान के माध्यम से साधक अपने भीतर की दिव्य शक्ति से जुड़कर अधिक संतुलित, आनंदित और सार्थक जीवन जीने लगता है।

# राष्ट्र के उत्सव में मोहन भागवत ने आत्ममंथन का दीप जलाया

राजनीति में ऐसे क्षण विरले आते हैं, जब कोई वाक्य भाषण की सीमा लांघकर राष्ट्रीय विमर्श का दर्पण बन जाता है। दावों की ऊंचाई और हकीकत की जमीन के बीच खड़े भारत को नागपुर से एक सीधा संदेश मिला। रेशीमबाग में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि %हमारी तैयारी अभी अधूरी है, यही हमें विश्वगुरु बनने से रोक रहा है'। यह कथन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि इसे संघ प्रमुख ने कहा, बल्कि इसलिए कि यह उस दौर में आया है जब उपलब्धियों का उत्सव अक्सर आत्ममंथन की आवश्यकता को ढंक देता है। राष्ट्रों का उत्थान जयघोषों से नहीं, अपनी कमियों को पहचानने और उन्हें दूर करने की क्षमता से होता है। भागवत ने दरअसल उस असुविधाजनक प्रश्न को सामने रख दिया, जिससे बचने की आदत राजनीति को भी है और समाज को भी—क्या हम वास्तव में उतने तैयार हैं, जितना हमारा दावा है?

भारत आज केवल एक देश नहीं, बल्कि वैश्विक अपेक्षाओं का केंद्र बनता जा रहा है। पश्चिम आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, पश्चिम एशिया अस्थिरता की चपेट में है और वैश्विक व्यवस्था नए संतुलन की तलाश में भटक रही है। ऐसे दौर में भारत की सभ्यतागत चेतना, लोकतांत्रिक परंपरा और सांस्कृतिक विस्तार उसे अलग पहचान देते हैं। दुनिया भारतीय दृष्टि को सुनने को तैयार है, लेकिन वैश्विक मंच पर सम्मान केवल विचारों से नहीं, सामर्थ्य से मिलता है। इतिहास गवाह है कि नैतिक नेतृत्व उसी का स्वीकार किया जाता है, जिसके पास आर्थिक ताकत, तकनीकी श्रेष्ठता और मजबूत संस्थाएं हों। भागवत का संकेत स्पष्ट था—विश्वगुरु का स्थान घोषणा से नहीं, योग्यता और तैयारी से हासिल होता है।

भारत की उपलब्धियां जितनी बड़ी हैं, उतने ही बड़े उसके सामने खड़े कुछ अनुत्तरित प्रश्न भी हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक कूटनीति से लेकर आधारभूत विकास तक देश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इसके बावजूद गुणवत्तापूर्ण रोजगार, उत्कृष्ट शिक्षा, शोध की संस्कृति, न्यायिक दक्षता और सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्र अभी और सुदृढ़ीकरण की मांग करते हैं। किसी राष्ट्र की परिपक्वता केवल उसकी सफलताओं से नहीं, बल्कि अपनी कमियों को देखने की क्षमता से भी मापी जाती है। आत्मप्रशंसा प्रगति को धीमा करती है, जबकि आत्ममूल्यांकन उसे नई दिशा देता है।

हमारे सार्वजनिक जीवन की विडंबना यह है कि गंभीर विमर्श भी जल्द ही राजनीतिक संघर्ष का औजार बन जाता है। भागवत के वक्तव्य के साथ भी यही हुआ। विपक्ष ने इसे सत्ता पर परोक्ष प्रश्नचिह्न बताया, तो समर्थकों ने इसे विकास की गति बढ़ाने का संदेश माना। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, लेकिन इस शोर में मूल मुद्दा ओझल हो गया। विश्वगुरु बनने का लक्ष्य न किसी एक सरकार का एजेंडा है, न किसी दल की उपलब्धि। यह पीढ़ियों के पुरुषार्थ, मजबूत संस्थाओं और समाज की सामूहिक चेतना से साकार होने वाली लंबी राष्ट्रीय यात्रा है। इसे राजनीतिक लाभ-हानि की संकीर्ण कसौटी पर नहीं परखा जा सकता।

भारत की असली कमी पूंजी या प्रतिभा की नहीं, राष्ट्रीय दृष्टि और अनुशासन की है। देश के पास विशाल युवा आधार, बड़ा बाजार, कुशल मानव संसाधन और ऐतिहासिक अवसर मौजूद हैं। चुनौती इन्हें संगठित राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की है। विश्वविद्यालयों को ज्ञान-सृजन का केंद्र बनना होगा, उद्योगों को नवाचार का, राजनीति को दीर्घदृष्टि का और समाज को सहअस्तित्व का। यदि सामाजिक ध्रुवीकरण गहराता रहा, शिक्षा औसत स्तर पर अटकी रही और शोध उधार के विचारों पर टिका रहा, तो केवल ऊंची विकास दर भी भारत को वह वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं दिला सकेगी जिसकी कल्पना की जाती है। विश्वगुरु होने का अर्थ उपदेश देना नहीं, बल्कि ऐसा राष्ट्रीय आचरण गढ़ना है जिसे दुनिया उदाहरण मानकर अपनाना चाहे।

भागवत के वक्तव्य का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मसंतोष के खतरे को लेकर है। इतिहास बताता है कि सभ्यताओं को बाहरी चुनौतियों से अधिक नुकसान भीतर पनपी आत्ममुग्धता पहुंचाती है। जिस क्षण कोई समाज स्वयं को पूर्ण और निर्विवाद मान लेता है, उसी क्षण उसकी प्रगति की गति मंद पड़ने लगती है। भारत के लिए यह आत्मप्रशंसा नहीं, आत्मसंस्कार का समय है। यह मान लेना कि अभी कई मंजिलें बाकी हैं, कमजोरी नहीं बल्कि परिपक्वता का प्रमाण है। अपनी कमियों को पहचानने वाले राष्ट्र उन्हें दूर करने का मार्ग भी खोज लेते हैं, जबकि उन्हें नजरअंदाज करने वाले अंततः उन्हीं सीमाओं में घिर जाते हैं।

संघ प्रमुख के बयान का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इसमें उपलब्धियों पर प्रश्न नहीं, उन्हें टिकाऊ बनाने की चिंता दिखाई देती है। यह निराशा नहीं, दूरदृष्टि का स्वर है। यदि भारत वैश्विक व्यवस्था में प्रभावी नेतृत्व की आकांक्षा रखता है, तो उसे केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रहना होगा; ज्ञान, नवाचार और सामाजिक भरोसे में भी अग्रणी बनना पड़ेगा। विश्व नेतृत्व का आधार सामर्थ्य से बनता है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता नैतिक विश्वसनीयता से तय होती है। भारत के पास दोनों हासिल करने की क्षमता है, शर्त केवल इतनी है कि वह दावों और धरातल के बीच मौजूद अंतर को ईमानदारी से पहचाने।

इतिहास हर राष्ट्र को अवसर देता है, लेकिन नेतृत्व का अधिकार वही राष्ट्र अर्जित करते हैं जो अपनी आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने का सामर्थ्य रखते हैं। भागवत का वक्तव्य इसी सत्य की याद दिलाता है। भारत के पास गौरवशाली विरासत, व्यापक संभावनाएं और अपार शक्ति है। लेकिन इन्हें वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए अभी लंबी तैयारी और निरंतर सुधार की आवश्यकता है। यह समय आत्मसंतोष का नहीं, आत्मनिर्माण का है। विश्वगुरु का स्थान नारों दावों या प्रतीकों से नहीं मिलता; उसे ज्ञान, सामर्थ्य, अनुशासन, नवाचार और उपलब्धियों की निरंतर साधना से अर्जित करना पड़ता है। भारत के सामने मंजिल स्पष्ट है, अब उसकी गति और तैयारी ही तय करेगी कि वह इतिहास में एक संभावना बनकर दर्ज होगा या एक उपलब्धि बनकर।

**-प्रो. आरके जैन**

## ग्लोबल वार्मिंग उबलती धरती और सत्तावादी महत्वाकांक्षाएं

ग्लोबल वार्मिंग आज कोई वैज्ञानिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कठोर यथार्थ है। पृथ्वी का औसत तापमान निरंतर बढ़ रहा है। कभी असहनीय गर्मी लोगों का जीवन संकट में डाल देती है, तो कभी अचानक होने वाली अतिवृष्टि शहरों और गाँवों को जलमग्न कर देती है। कहीं अनावृष्टि के कारण खेत सूख रहे हैं, तो कहीं बाढ़ किसानों की वर्षों की मेहनत बहाकर ले जा रही है। ॠतुओं का स्वाभाविक चक्र अव्यवस्थित हो चुका है। बसंत और शरद जैसे मधुर मौसम सिमटते जा रहे हैं, जबकि गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। प्रकृति बार-बार चेतावनी दे रही है कि विकास की अंधी दौड़ में हमने उसके साथ अन्याय किया है। जंगलों की कटाई, औद्योगिक प्रदूषण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को धीरे-धीरे बीमार बना रहा है। कभी हिमालय की चोटियाँ समय से पहले पिघलने लगती हैं, तो कभी समुद्र का बढ़ता जलस्तर तटीय क्षेत्रों के लिए खतरा बन जाता है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का संकट है।

मानव सभ्यता आज ऐसे दोहरे संकट के दौर से गुजर रही है, जहाँ एक ओर प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है और दूसरी ओर राजनीति की महत्वाकांक्षाएँ विश्व में वैमनस्य, संघर्ष और अविश्वास का वातावरण निर्मित कर रही हैं। धरती का तापमान बढ़ रहा है, ॠतुओं का स्वभाव बदल रहा है, नदियाँ अपने प्रवाह से भटक रही हैं, और दूसरी तरफ राष्ट्र अपनी शक्ति, प्रभुत्व और विस्तारवादी नीतियों के कारण मानवता को युद्धों के मुहाने पर खड़ा कर रहे हैं। यदि समय रहते इन दोनों संकटों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो भविष्य की पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। दूसरी ओर, विश्व राजनीति का परिदृश्य भी कम चिंताजनक नहीं है। वैश्विक मंच पर सहयोग और सहअस्तित्व की भावना कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। अनेक देशों के बीच अविश्वास, प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की होड़ बढ़ती जा रही है। युद्धों और संघर्षों की विभीषिका ने करोड़ों लोगों का जीवन प्रभावित किया है। कहीं सीमाओं के विस्तार की आकांक्षा है, कहीं सामरिक प्रभुत्व की लालसा, तो कहीं आर्थिक हितों की रक्षा के नाम पर संघर्षों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जब राष्ट्र अपनी ऊर्जा शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर लगाने के बजाय हथियारों और युद्ध की तैयारियों में खर्च करते हैं, तब मानवता का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। युद्ध केवल सैनिकों को नहीं मारते, वे आने वाली पीढ़ियों के सपनों को भी नष्ट कर देते हैं। विस्फोटों से केवल शहर नहीं टूटते, बल्कि मनुष्यों के भीतर विश्वास और करुणा भी खंडित हो जाती है। नफ़रत और ईर्ष्या का यह वातावरण समाजों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। मुसीबत यह है कि जिस समय पूरी दुनिया को जलवायु परिवर्तन जैसी साझा चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट होना चाहिए, उसी समय राजनीतिक मतभेद और भू-राजनीतिक संघर्ष देशों को विभाजित कर रहे हैं।

**-संजीव ठाकुर**

# मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-÷अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए।÷ उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया-÷मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा?÷ किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

**-ललित गर्ग**

# भरोसे की कसौटी पर खरे मोदीः नीतीश कुमार

भारत जैसे विशाल और प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र में जनता का भरोसा जीतना कठिन होता है और इसे बनाए रखना और भी कठिन, फिर भी कड़ी प्रतिद्वंद्विता और जनता की सख्त कसौटी के बावजूद नरेन्द्र मोदी जनता के विश्वास को बनाए रखने में सफल रहे हैं। वैसे तो हम दोनों भौगोलिक रूप से भारत के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से आते हैं, लेकिन उसी पीढ़ी के साझा प्रतिनिधि भी हैं, जिसकी राजनीतिक चेतना आपातकाल से प्रभावित हुई थी। हमने लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर हुए हमले को अपनी आंखों से देखा और उस आंदोलन में भाग भी लिया, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करना था। उस संघर्ष ने सार्वजनिक जीवन और लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में हमारी समझ को आकार दिया।

दशकों तक यह धारणा रही कि देश के सर्वोच्च पद कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों या प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों में जन्म लिए लोगों के लिए आरक्षित हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस धारणा को चुनौती दी। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर देश के सर्वोच्च निर्वाचित पद तक पहुंचने वाले मोदी करोड़ों लोगों के प्रेरणास्रोत हैं। उनकी सफलता गाथा इस विश्वास को और दृढ़ करती है कि एक जीवंत लोकतंत्र में संकल्प, कड़ा परिश्रम और क्षमताएं तमाम बाधाओं को धता बताते हुए व्यक्ति को शिखर पर सुशोभित कर सकती हैं। उनकी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि न होकर भारतीय लोकतंत्र की शक्ति एवं खुलेपन का भी जीवंत प्रमाण है।

डा. लोहिया, जेपी और कई अन्य महान समाजवादी नेताओं के अनुयायी के रूप में मैंने हमेशा राजनीति को लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के साधन के रूप में देखा है। लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने और उनके लिए एक गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना किसी भी राजनेता की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस लिहाज से पीएम मोदी का रिकार्ड शानदार रहा है। उनके नेतृत्व में राजग सरकार के दौरान 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर निकालना संभव हो सका है। उनकी सरकार में शौचालय, बैंक खाते, घर, गैस कनेक्शन, नल से जल आपूर्ति, स्वास्थ्य बीमा कवरेज तथा अनेक मूलभूत आवश्यकताएं करोड़ों लोगों तक पहुंची हैं। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, महिलाओं, गरीब परिवारों और विकास कार्यक्रमों के पहली पीढ़ी के लाभार्थियों के एक बड़े वर्ग ने अब खुद को भारत की विकास गाथा में सक्रिय भागीदार के रूप में देखना शुरू कर दिया है। युवाओं को विशेष योजनाओं के माध्यम से उद्यमिता के नए अवसर मिले हैं। इन समूहों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाना सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में सबसे महत्वपूर्ण उत्प्रेरक रहा है।

महिलाओं के कल्याण और सम्मान को समर्पित मोदी सरकार की कई योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ हुआ है और उनका जीवन सुगम हुआ है। बिहार में मेरा अपना अनुभव रहा है कि जब महिलाओं को विकास कार्यों के केंद्र में रखा जाता है तो समाज तेजी से प्रगति करता है। कोई आश्चर्य नहीं कि बिहार में हमारे जीविका प्रयोग की सफलता की चर्चा अब दुनिया भर में हो रही है। वर्षों तक मुख्यमंत्री रहने के नाते मैं जानता हूं कि योजनाओं के लाभ को वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाने में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें सिर्फ भली मंशा ही काफी नहीं, बल्कि प्रभावी कार्यान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देने की जरूरत होती है।

प्रधानमंत्री मोदी यह सुनिश्चित करने पर जोर देते हैं कि शासन का परिणाम नागरिकों के लिए वास्तविक लाभ में बदले। चाहे कल्याण योजनाएं हों, अवसंरचना विकास हो या सार्वजनिक सेवा वितरण, उन्होंने हमेशा दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित किया है। जब सरकारी लाभ लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से और बिना किसी रिसाव के पहुंचते हैं तो संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास मजबूत होता है। यह विश्वास प्रधानमंत्री के नागरिकों के साथ निरंतर जुड़ाव और संवाद से और मजबूत हुआ है, जिससे सरकार और लोगों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देने में मदद मिली है।

मैंने हमेशा भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता के दृष्टिकोण को अपनाया है और उसका समर्थन किया है। पीएम मोदी की जिन खूबियों ने उन्हें लोगों के बीच लोकप्रिय बनाया है, उनमें से एक है बेदाग रिकार्ड और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनका मजबूत रुख। भारतीय राजनीति में ऐसे विरले ही नेता हुए हैं, जिन्होंने दशकों तक सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए अपने दामन पर कोई दाग नहीं लगने दिया। उन्होंने कानूनी प्रक्रिया के जरिये भ्रष्ट तंत्र पर कार्रवाई की इच्छाशक्ति भी दिखाई है। पीएम मोदी के कार्यकाल की एक खास बात यह भी रही कि वैश्विक मंच पर भारत का महत्व बढ़ा है। यही कारण है कि आज दुनिया भारत को उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक यात्रा में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लंबा और सफल कार्यकाल भी शामिल है। वे जल्द ही चुनी हुई सरकार के प्रमुख के तौर पर लगातार सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लेंगे। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर इस अनुभव ने उन्हें राज्यों की जरूरतों और उनका समर्थन करने के महत्व की गहरी समझ दी है।

प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सहकारी संघवाद के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री के रूप में मेरा अपना यह अनुभव रहा कि उन्होंने राजनीतिक परिस्थितियों की परवाह किए बिना बिहार के विकास के लिए समर्थन दिया। प्रधानमंत्री मोदी के मन में बिहार की विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं के प्रति बहुत सम्मान है।

**-धनंजय राजौरा**

# नशे के सौदागरों पर डीआईजी का शिकंजाः बंगाल से राजस्थान तक फैले नेटवर्क पर बड़ा खुलासा, किसी भी हाल में नहीं बख्शे जाएंगे तस्कर



**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** रतलाम रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) निमिष अग्रवाल का दो दिवसीय नीमच दौरा केवल एक औपचारिक वार्षिक निरीक्षण नहीं रहा, बल्कि नशा तस्करी, संगठित अपराध और फरार अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान की दिशा और दशा तय करने वाला महत्वपूर्ण दौरा साबित हुआ। जिले में पहुंचने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उनका स्वागत किया गया तथा गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी के बाद उन्होंने जिला पुलिस कार्यालय, विभिन्न शाखाओं और थानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों की समीक्षा, कानून-व्यवस्था, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई, यातायात व्यवस्था, शस्त्रागार, मालखाना प्रबंधन तथा पुलिसिंग की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाममूलक बनाने के लिए नियमित समीक्षा और जवाबदेही आवश्यक है।

मीडिया से चर्चा करते हुए डीआईजी निमिष अग्रवाल ने कहा कि रतलाम रेंज के नीमच, मंदसौर और रतलाम जिले वर्तमान में नशा मुक्ति अभियान की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र हैं, इसलिए पुलिस की प्राथमिकता मादक पदार्थों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक तीन अवैध ड्रग फैक्ट्रियों का पर्दाफाश किया जा चुका है, जो पुलिस की सक्रियता और लगातार चल रहे अभियान का परिणाम है।

डीआईजी ने हाल ही में मंदसौर जिले में पकड़ी गई करीब 20 किलो ब्राउन शुगर की बड़ी खेप का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच के दौरान इसके तार पश्चिम बंगाल तक जुड़े पाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि तस्करी का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ था और आरोपी संगठित तरीके से मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब पुलिस केवल वाहकों या कोरियर के स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि सप्लायर, फाइनेंसर और खरीदारों तक पहुंचकर पूरे नेटवर्क को समाप्त करने की रणनीति पर काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि शिकलाना क्षेत्र में पकड़ी गई अवैध एमडी ड्रग फैक्ट्री और उसके मुख्य सरगना इलियास खान के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है। मामले की जांच अभी भी जारी है और उससे जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य केवल एक प्रकरण दर्ज करना नहीं, बल्कि पूरे सिंडिकेट को खत्म करना है ताकि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियां दोबारा खड़ी न हो सकें।

डीआईजी ने कहा कि अफीम डोडाचूरा और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्तियों को चिन्हित कर जब्ती की कार्रवाई भी तेज की गई है। उन्होंने बताया कि कई मामलों में सफेमा (ऋऋऋऋ) के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है, जिससे अपराध से अर्जित संपत्ति को भी कानूनी दायरे में लाया जा सके।

फरार और इनामी अपराधियों को लेकर उन्होंने कहा कि रेंज के तीनों जिलों में बड़ी संख्या में अपराधी अभी भी गिरफ्तारी से बाहर हैं। ऐसे अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें लगातार राजस्थान, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में दबिश दे रही हैं। कई मामलों में महत्वपूर्ण सफलता भी मिली है और आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा।

मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में पुलिस पर लगने वाले आरोपों के संबंध में डीआईजी ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक कार्रवाई की निगरानी एसडीओपी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक स्तर पर की जाती है। यदि किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता अथवा अनियमितता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाती है। पुलिस का उद्देश्य निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई करते हुए जनता का विश्वास बनाए रखना है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों पर भी डीआईजी ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में पुलिस बल का चरणबद्ध प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। रतलाम रेंज के जिलों में भी चयनित पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि भविष्य में बड़े आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को प्रभावी ढंग से संभाला जा सके।

दो दिवसीय दौरे के अंत में डीआईजी निमिष अग्रवाल का संदेश पूरी तरह स्पष्ट था—नशा तस्करों, संगठित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ अभियान किसी भी स्थिति में नहीं रुकेगा। पश्चिम बंगाल से जुड़े नेटवर्क की जांच हो या राजस्थान में चल रही दबिश, पुलिस अब अपराध की हर कड़ी तक पहुंचकर उसे खत्म करने की रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले समय में रतलाम रेंज में नशे के कारोबार और संगठित अपराध के खिलाफ और अधिक सख्त कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

## जिले में 15 जून तक किया जायेगा मतदाता सूची में नाम जोडने, विलोपित एवं संशोधन का कार्य

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में नगरीय निकायों एवं पंचायतों में नाम जोडने, विलोपित करने एवं संशोधित की कार्यवाही 15 जून 2026 तक की जा रही है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शोभाराम सोलंकी ने बताया कि मतदाता सूची के पर्यवेक्षण के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेक्षक श्री डी.पी. तिवारी भा.प्रा.से (सेवानिवृत्त) नियुक्त किया गया हैं। प्रेक्षक श्री तिवारी 15 जून तक उज्जैन संभाग अंतर्गत आने वाली नगर निगम, नगर परिषद एवं जनपद पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की कार्यवाहियों की समीक्षा करेगें। नगरीय निकाय एवं पंचायतों की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जुलाई को किया जायेगा।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

## सायबर जालसाजों से सावधान रहें, बिल भुगतान केवल अधिकृत माध्यमों से करें : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सऐप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिये किसी निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सऐप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा निर्धारित आईडी से ही एसएमएस एवं व्हाट्सऐप केवल 07552551222 सेंडर आईडी से ही प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है।

आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सऐप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सऐप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है। इसमें बिल भुगतान कराने के लिये भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दिया जाए। उपभोक्ताओं से अपील की गयी है इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें। सायबर फ्रॉड संबंधित किसी भी घटना की सूचना तत्काल भारत सरकार की हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराए।

## संदीपनी विद्यालय शाहगंज - जहां आधुनिक शिक्षा, भारतीय संस्कार और उत्कृष्ट परिणामों का हो रहा संगम

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित संदीपनी विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव और दूरदर्शी पहल के रूप में उभरे हैं। इन विद्यालयों का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को पाठ्य ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उनमें जीवन मूल्यों, भारतीय संस्कृति, नेतृत्व क्षमता और आधुनिक कौशलों का विकास करना भी है। इसी कड़ी में सीहोर जिले का संदीपनी विद्यालय शाहगंज आज ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक प्रेरणादायी केंद्र बन चुका है। विद्यालय का मूल उद्देश्य उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में मजबूत जीवन मूल्यों और भारतीय संस्कारों का समावेश करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। संदीपनी विद्यालय शाहगंज इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल शिक्षण संसाधन, प्रशिक्षित शिक्षकों और विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा को नए आयाम दिए जा रहे हैं।

विद्यालय में विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां डिजिटल एवं स्मार्ट कक्षाएं, आरामदायक फर्नीचर, जूनियर साइंस लैब, जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन, स्टेम तथा वोकेशनल लैब, संगीत कक्ष, जूनियर एवं सीनियर कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, गणित प्रयोगशाला, कला कक्ष, चिकित्सा कक्ष, खेल कक्ष, बहुउद्देशीय कक्ष तथा मीटिंग हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यवहारिक और तकनीकी दक्षता भी प्रदान की जा रही है। विद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया है।

## परिवहन विभाग ने औद्योगिक क्षेत्र देवास में कार्रवाई कर बिना फिटनेस और पीयूसी के संचालित 5 वाहनो को किया जब्त



**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने देवास शहर के औद्योगिक क्षेत्र में आकस्मिक जांच अभियान चलाया। इस विशेष अभियान के दौरान सड़क पर दौड़ने वाले वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र की सघन जांच की गई। इस दौरान 20 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 05 वाहन बिना दस्तावेजों के मिले।परिवहन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन सभी 5 वाहनों को मौके पर ही जब्त कर लिया। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है। आने वाले दिनों में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन स्वामियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहनों के सभी जरूरी दस्तावेज जैसे– फिटनेस, पीयूसी, बीमा और परमिट हमेशा अप-टू-डेट रखें। बिना दस्तावेज पाए जाने पर न केवल भारी जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि वाहन को राजसात (जब्त) करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

## प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5.39 करोड़ हितग्राहियों को निःशुल्क खाद्यान्न आवंटित

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि दिसम्बर, 2023 से अभी तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत 5.39 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को कुल 24,209 करोड़ रूपये का 74.31 लाख में. टन निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को निःशुल्क राशन का वितरण करने के लिए असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों की 29 वी प्राथमिकता श्रेणी सम्मिलित की गई। इसमें असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों के 7.82 लाख परिवारों के 27.80 लाख नवीन श्रमिकों को पात्रता पर्ची जारी कर निःशुल्क राशन का वितरण किया जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत वितरित राशन सामग्री के परिवहन करने वाले 896 परिवहनकर्ताओं एवं 27,872 दुकानों के कमीशन देयकों का प्रतिमाह लगभग 40 करोड़ रूपये का भुगतान ऑनलाईन किया जा रहा है। यह व्यवस्था माह फरवरी, 2024 से लागू है। पूर्व में संचालित 269 पीडीएस के प्रदाय केन्द्रों की संस्था से बढ़ाकर 273 (42 नवीन) की गयी है। इससे सामग्री के प्रदाय के समय एवं राशि की बचत हुई है।

## जल जीवन मिशन योजना से घर पर ही नल से जल मिलने से खुश हैं 80 वर्षीय बसंता बाई



**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** रतलाम जिले के पिपलौदा विकासखंड के ग्राम बड़ायला चौरासी कभी पानी की गंभीर समस्या से जूझता था। वर्षों पूर्व निर्मित नलजल योजना बढ़ती आबादी और गांव के विस्तार की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हो गई थी। समस्या को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग योजना के माध्यम से शेष गली-मोहल्लों तक पेयजल पहुंचाने के लिए 50 हजार लीटर क्षमता की अतिरिक्त उच्च स्तरीय टंकी तथा 20 हजार लीटर का संपवेल निर्मित किया गया। साथ ही नई पाइपलाइन बिछाकर 350 से अधिक घरों, शासकीय संस्थानों एवं धार्मिक स्थलों को नल कनेक्शन से जोड़ा गया। यह पूरी योजना नलकूप आधारित है।

गांव की 80 वर्षीय वयोवृद्ध महिला श्रीमती बसंता बाई सालित्रा ने बताया कि पहले पानी लाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता था। सुबह चार बजे अंधेरे में रस्सी और बाल्टी लेकर गांव के कुएं पर जाना पड़ता था। तब कहीं जाकर पीने और भोजन बनाने के लिए पानी मिल पाता था। नहाने और कपड़े धोने के लिए खेतों पर जाना पड़ता था। अब घर पर ही नल कनेक्शन होने से भरपूर पानी मिल रहा है और परिवार की महिलाओं को पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ता।

श्रीमती केसर बाई धाकड़ ने बताया कि कम उम्र में विवाह होकर गांव में आई थीं। उस समय गांव में न पक्की सड़क थी और न ही पर्याप्त बिजली व्यवस्था। कीचड़ और अंधेरे में हैंडपंप तथा कुओं से पानी लाना पड़ता था, जिससे अधिकांश समय इसी काम में निकल जाता था। अब जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने से पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है और समय की बचत भी हो रही है। इसी कारण उन्होंने घर में जनरल स्टोर की दुकान शुरू कर अतिरिक्त आय का साधन भी विकसित किया है।

जल जीवन मिशन के तहत नलजल योजना के सफल संचालन से गांव में खुशहाली का वातावरण है। महिलाएं अब निश्चिंत होकर अपने घर, खेत, परिवार, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य पर ध्यान दे पा रही हैं। साथ ही सिलाई-कढ़ाई, किराना दुकान और मजदूरी जैसे कार्यों के माध्यम से आय अर्जित करने के लिए भी समय निकाल पा रही हैं।

## खाटू श्याम मंदिर में एकादशी पर होगा बाबा श्याम का अलौकिक फूलों का श्रृंगार



**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अमृत नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर में एकादशी के पावन अवसर पर 11 जून को बाबा खाटू श्याम का भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर को चमेली, मोगरा और गुलाब के सुगंधित फूलों से सजाया जाएगा, जिससे श्याम दरबार दिव्य आभा से आलोकित होगा। मंदिर समिति के अनुसार इस अवसर पर बाबा श्याम को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे तथा श्रद्धालुओं को पवित्र ज्योत दर्शन का लाभ प्राप्त होगा। दोपहर 12 बजे भोग आरती का आयोजन किया जाएगा, जबकि शाम 7:30 बजे बाबा श्याम की महाआरती संपन्न होगी। एकादशी महोत्सव के अंतर्गत महिला मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। प्रसिद्ध भजन गायक हिमांशु विजयवर्गीय बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। कार्यक्रम में श्याम स्तुति एवं श्याम प्रार्थना का आयोजन भी होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी शामिल होकर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मंदिर समिति ने बताया कि एकादशी के शुभ दिन मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। मंदिर पूरे दिन दर्शनार्थियों के लिए खुला रहेगा।

## ग्राम स्तर पर आंखों की जांच से ग्रामवासियों को मिल रहा नजदीक के चश्मों का लाभ

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों में नजदीक दृष्टि दोष (पेस्बायोपिया) की समय पर पहचान एवं उपचार करने के उद्देश्य से संचालित पेस्बायोपिया परियोजना को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह परियोजना भैरूंदा एवं इछावर ब्लॉक में प्रारंभ की गई है। परियोजना के संचालन में विलियम जे. क्लिंटन फाउंडेशन द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा 40 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की नज़दीकी दृष्टि संबंधी जांच की जा रही है तथा आवश्यकता अनुसार उन्हें रीडिंग ग्लासेस (चश्मे) उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परियोजना प्रारंभ होने के लगभग डेढ़ माह के भीतर भैरुंदा एवं इछावर विकासखंडों में करीब 2,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, जिनमें से लगभग 800 लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए हैं।

# हेलियोन द्वारा भारत में अपनी पहली फैक्ट्री स्थापित करने के लिए 2000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा

**मध्य प्रदेश में स्थापित यह ग्रीनफील्ड फैक्ट्री 'मेक इन इंडिया' के उद्देश्य को आगे बढ़ाएगी तथा प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने की हेलियोन की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी।**




नई दिल्ली, – कंज़्यूमर हैल्थ में ग्लोबल मार्केट लीडर, हेलियोन ने आज भारत में अपनी पहली मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री स्थापित करने की अपनी योजना के बारे में बताया। यह अत्याधुनिक फैक्ट्री पीथमपुर, मध्य प्रदेश में स्थापित किया जाएगी। स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 40 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली यह फैक्ट्री भारत के कंज़्यूमर हैल्थ सेक्टर में एक अहम निवेश होगी, जिससे एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में भारत के प्रति हेलियोन की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। इस निवेश की घोषणा मध्य प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री, श्री मोहन यादव, हेलियोन के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, ब्रायन मैकनामारा, हेलियोन आईएससी के सीईओ इंडिया और अध्यक्ष- केदार लेले तथा हेलियोन की चीफ सप्लाई चेन ऑफिसर, नम्रता पटेल की मौजूदगी में की गई।

यह निवेश भारत में हेलियोन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे सप्लाई चेन को और अधिक मजबूती मिलेगी, राष्ट्रीय आर्थिक मुल्यसंवर्धन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यह निवेश भारत सरकार के मेक इन इंडिया अभियान के अनुरूप है। इससे अगले दशक में काफी अधिक आर्थिक मूल्य प्राप्त होगा। यह एक्सपोर्ट की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा, राज्य के राजस्व में योगदान देगा तथा भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन में शामिल करेगा। इस फैक्ट्री से 500 से ज़्यादा नौकरियों तक का निर्माण होने की उम्मीद है। साथ ही, अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। फैक्ट्री में कौशल विकास, स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने तथा सप्लायर ईकोसिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। हेलियोन का उद्देश्य अपने फैक्ट्री में एक व्यापक और समावेशी कार्यबल का निर्माण करना है, जिसमें कार्यबल में 30 प्रतिशत तक महिलाओं की भागीदारी हासिल करने की योजना है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने कहा, ''मध्य प्रदेश अपने मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, कुशल कार्यबल, और उद्योग के अनुकूल नीतियों के साथ ग्लोबल निवेश के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में लगातार उभर रहा है। हेलियोन द्वारा भारत में अपनी पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पीथमपुर में स्थापित की जा रही है। यह निर्णय राज्य के बिज़नेस इकोसिस्टम और विकास की क्षमता में बड़ी ग्लोबल कंपनियों का बढ़ता भरोसा प्रदर्शित करता है।

2,000 करोड़ के इस निवेश से मुख्य मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट केंद्र के रूप में मध्य प्रदेश की स्थिति मजबूत होगी। इससे आर्थिक प्रगति और औद्योगिक विकास में भी मदद मिलेगी। मध्य प्रदेश सरकार राज्य में हेलियोन के विकास में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सस्टेनेबल औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते रहेंगे।÷

हेलियोन के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, ब्रायन मैकनामारा ने कहा, ''भारत हमारे लिए सबसे तेजी से बढ़ते हुए और सबसे डायनामिक बाजारों में से एक है। यह इस बात की मिसाल पेश करता है कि हम मानवता पर केंद्रित रहते हुए किस प्रकार प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य प्रदान कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य साल 2030 तक प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य को भारत में 30 करोड़ से अधिक नए ग्राहकों तक पहुँचाना है। हमारी यह फैक्ट्री साल 2030 तक हमें विश्व में 100 करोड़ नए ग्राहकों तक पहुँचने में मदद करेगी। यह निवेश हमें अपने भरोसेमंद ब्रांड्स के लिए भविष्य की मांग को पूरा करने में समर्थ बनाएगा तथा हमारी जमीनी टीमों का विस्तार करेगा, ताकि हम उन करोड़ों लोगों को बेहतर पहुँच प्रदान कर सकें, जिन्हें पहले ओरल केयर की उपलब्धता सीमित थी।''

केदार लेले, सीईओ इंडिया और अध्यक्ष, हेलियन आईएससी, ने कहा, ''दक्षिण एशिया और विश्व में हेलियोन के विस्तार की योजनाओं में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस नई फैक्ट्री में हमारा निवेश हमें ग्राहकों के करीब पहुँचाएगा, हमारे ब्रांड्स की उपलब्धता बढ़ाएगा और हमें लंबे समय तक लगातर विकास करने में मदद करेगा। हम इस निवेश को संभव बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए सहयोग और उनकी भागीदारी के लिए उनके आभारी हैं। प्रतिदिन भरोसेमंद स्वास्थ्य समाधानों की बढ़ती मांग के साथ यह फैक्ट्री भारत और विश्व के ग्राहकों को खासकर ओरल हैल्थ प्रदान करने की हमारी क्षमता को बढ़ाएगी और करोड़ों ग्राहकों को दैनिक हैल्थ आसानी से उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी।''

यह नई फैक्ट्री हेलियोन के नए ग्लोबल एडवांस ब्लूप्रिंट पर डिज़ाईन की गई है, जिसमें फ्यूचर-रेडी ऑटोमेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं होंगी। यह साल 2029-30 तक काम करना शुरू कर देगा, जिससे हेलियोन घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती हुई मांग को पूरा कर सकेगा।

मानवता के साथ प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने के हेलियोन के लक्ष्य के साथ यह निवेश गुणवत्तापूर्ण ओरल हैल्थ सॉल्यूशन की उपलब्धता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। भारत में ओरल हैल्थ के सफर में सेंसोडाईन एक दशक से अधिक समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और करोड़ों लोगों को अपनी ओरल हैल्थ की जरूरतों को पूरा करने में समर्थ बना रहा है।

# कृषि आदान विक्रेता संघ की बैठक संपन्न

## कपिलसिंह डाबी बने नए अध्यक्ष, राजमल जैन का हुआ सम्मान; नवीन कार्यकारिणी घोषित

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** स्थानीय कृषि आदान विक्रेता संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार रात्रि को नगर के एक निजी रिसॉर्ट में संपन्न हुई। बैठक में बदनावर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के बड़ी संख्या में व्यापारी व संघ के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष राजमल जैन का कार्यकाल पूर्ण होने पर संघ के सदस्यों द्वारा साफा बांधकर व पुष्पमालाओं से उनका आत्मीय स्वागत व बहुमान किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से कपिलसिंह डाबी को कृषि आदान विक्रेता संघ बदनावर का नया अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही संघ की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई।

बैठक में वरिष्ठों के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से आगामी कार्यकाल के लिए संरक्षक - राजमल जैन, सुनील मंडलेचा, अभिषेक मूणत, ईश्वरलाल पाटीदार, अध्यक्ष - कपिल सिंह डाबी, उपाध्यक्ष - मनोज कोठारी, दिनेश जैन, गोपाल धाकड़, हरिओम पाटीदार, सचिव - संतोष भारती, शैलेश जैन, सह सचिव - प्रहलाद पांचाल, कोषाध्यक्ष- आयुष जैन, लाल पाटीदार, मीडिया प्रभारी - गोपाल पाटीदार को दायित्व सौंपा गया।

विदाई भाषण में व्यापारियों को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष व नवनियुक्त संरक्षक राजमल जैन ने कहा, आप सभी साथियों के सहयोग से ही मेरा यह कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ है। आने वाला समय हम सभी व्यापारियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, इसलिए हम सभी को एकजुट रहने की अत्यंत आवश्यकता है। सरकार द्वारा हर वर्ष व्यापार से जुड़े नए नियम बनाए जा रहे हैं। हमें उन सभी नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करते हुए अपने व्यापार को आगे बढ़ाना है और संगठन को और अधिक मजबूत करना है।

नवनियुक्त अध्यक्ष कपिलसिंह डाबी ने अपनी नियुक्ति और नई टीम के गठन पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन में ही शक्ति होती है। व्यापारियों के इस संगठन में प्रत्येक सदस्य और व्यापारी के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। चूंकि हमारा यह व्यापार सीधे अन्नदाता से जुड़ा हुआ है, इसलिए किसानों को इसका सीधा फायदा पहुंचे, यही हमारी प्राथमिकता होगी। किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाले खाद, उन्नत बीज और सही दवाइयां समय पर पहुंचे, यही इस व्यापारी संगठन का मुख्य लक्ष्य और संकल्प रहेगा।

बैठक के अंत में सभी नवमनोनित पदाधिकारियों को बधाई दी गई। उक्त कार्यक्रम एवं नवीन कार्यकारिणी गठन की विस्तृत जानकारी कृषि आदान विक्रेता संघ के मीडिया प्रभारी गोपाल पाटीदार द्वारा दी गई।

# कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने डीईओ कार्यालय का औचक निरीक्षण कर रिकॉर्ड प्रबंधन के निर्देश दिए

**विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड संधारण तथा विभिन्न शाखाओं के कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिकॉर्ड प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कार्यालय में रखे अभिलेखों, पंजीयों तथा अन्य दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदनाम तथा उनके द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यों की सूची कार्यालय में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने कार्यालय में रखी सभी अलमारियों की दो-दो चाबियां तैयार कराने के निर्देश भी दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर अभिलेखों तक आसानी से पहुंच बनाकर कार्यों का सुचारु संचालन किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक फाइल पर उसका विषय एवं संबंधित वर्ष अंकित होना अनिवार्य है। उन्होंने सभी फाइलों का अलग-अलग रजिस्टर तैयार करने तथा प्रतिवर्ष के रिकॉर्ड को व्यवस्थित रूप से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। चाहे मामला साइकिल वितरण का हो, पुस्तक वितरण का अथवा अन्य योजनाओं का, प्रत्येक रिकॉर्ड का समुचित संधारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी अभिलेखों की लाइन लिस्टिंग तैयार करने पर भी जोर दिया।

कलेक्टर ने पुराने रिकॉर्ड के नियमानुसार विनिष्टीकरण तथा अनुपयोगी एवं क्षतिग्रस्त सामग्री की नीलामी की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थापना कक्ष, अनुदान शाखा एवं मान्यता शाखा का भी अवलोकन किया। साथ ही कार्यालय में पदस्थ भृत्य को निर्धारित यूनिफॉर्म में उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

मुख्य लिपिक से आवक-जावक डाक व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवश्यक सूचनाएं पारंपरिक डाक के बजाय ई-मेल के माध्यम से प्राप्त की जाएं , जिससे कार्यों में गति और पारदर्शिता बनी रहे।

# पूर्व सरपंच अम्बाराम गिरवाल की धर्मपत्नी सम्पतबाई का निधन

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्राम रूपाखेड़ा से एक अत्यंत दुखद समाचार सामने आया है। यहाँ के पूर्व सरपंच अम्बाराम गिरवाल की धर्मपत्नी श्रीमती सम्पतबाई का मंगलवार देर रात निधन हो गया। श्रीमती सम्पतबाई, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा के कद्दावर नेता दिनेश गिरवाल की बड़ी माताजी थीं। उनके आकस्मिक निधन की खबर फैलते ही पूरे रूपाखेड़ा ग्राम और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के कई कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्रीमती गिरवाल का अंतिम संस्कार ग्राम के स्थानीय मुक्तिधाम पर किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और जन समुदाय उपस्थित हुए, जिन्होंने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने शोक संतप्त गिरवाल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है।

# विभागीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत विद्यार्थियों तक पहुँचाएं: जिला शिक्षा अधिकारी श्री सोनी

**जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी की अध्यक्षता में आज शासकीय पं. लज्जा शंकर झा शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, आगामी कार्यक्रमों और शैक्षणिक गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें मुख्य रूप से विद्यार्थियों के नामांकन, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति पर गहन चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान कक्षा 1 में नवीन प्रवेश, कक्षा 8 से 9 एवं कक्षा 10 से 11 में विद्यार्थियों के ट्रांजिशन, अपार आईडी निर्माण तथा एमपीटास पोर्टल पर लंबित छात्रवृत्ति प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल वितरण, एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर पोस्ट वेरिफिकेशन, ऑनलाइन उपस्थिति, व्यावसायिक शिक्षा, जर्जर भवनों की स्थिति, अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता, इंटरएक्टिव पैनलों के उपयोग तथा पीएम श्री एवं समग्र शिक्षा के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति को भी परखा गया। बैठक में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक पेड़ माँ के नाम अभियान 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन और इसमें जनभागीदारी बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी श्री सोनी ने निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर और पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

# काग्रेस का धरना प्रदर्शनः 'वोट चोरी नहीं, सीट चोरी कर रही भाजपा'

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।**प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निर्देश पर ब्लॉक व नगर कांग्रेस ने जनपद पंचायत परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने मौन धरना एवं उपवास बुधवार सुबह 11 से 4 बजे तक किया।

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन तकनीकी आधार पर खारिज किए जाने के बाद पूरे प्रदेश सहित बदनावर में भी राजनीतिक उबाल रहा। विरोधस्वरूप जनपद पंचायत परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजनपालसिंह पंवार व नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय मौन धरना प्रदर्शन किया।

धरने के बाद ?कांग्रेस नेताओं ने इस पूरी कार्रवाई को सोची- समझी राजनीतिक साजिश करार देते हुए केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ?वोट चोरी नहीं, सीट चोरी का आरोप

लगाया। निरंजन पालसिंह पंवार ने कहा कि मध्य प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस प्रत्याशी नटराजन की जीत तय थी। लेकिन भाजपा का लालच किसी सीमा को नहीं मानता। विधानसभा में संख्या बल न होने के बावजूद भाजपा ने अनैतिक रूप से तीसरा उम्मीदवार उतारा और फिर सत्ता का दुरुपयोग कर तकनीकी बहाने से कांग्रेस प्रत्याशी का फॉर्म निरस्त करवा दिया। यह वोट की चोरी नहीं, बल्कि सीधे तौर पर सीट की चोरी है।

लोकतंत्र को बचाने के लिए आर-पार की लड़ाई का ऐलान- धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने एक सुर में कहा कि देश में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा? कि अब हमारे सामने केवल दो ही विकल्प बचे हैं, या तो हम मूकदर्शक बनकर लोकतंत्र की हत्या होते देखें, या फिर संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए सड़कों पर उतरकर मजबूती से लड़ें। कांग्रेस पार्टी अंतिम सांस तक इस तानाशाही के खिलाफ लड़ेगी।

क्या है पूरा मामला- गौरतलब है कि मध्य प्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। जांच के दौरान भाजपा की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफिसर ने हलफनामे में तेलंगाना के एक मामले की जानकारी कथित तौर पर छिपाने के आधार पर उनका नामांकन निरस्त कर दिया। वहीं कांग्रेस का दावा है कि वह कोई आपराधिक मामला नहीं बल्कि सिर्फ एक सिविल नोटिस था, जिसे छिपाया नहीं गया। इस फैसले के बाद भाजपा के तीसरे उम्मीदवार की निर्विरोध जीत का रास्ता साफ हो गया है, जिससे कांग्रेस बेहद आक्रोशित है।

प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष निरंजनपालसिंह पंवार, नगर अध्यक्ष मुकेश होती, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष घनश्यामसिंह, जिला पंचायत सदस्य अशोक डावर, निर्देश सोनगरा, धनपाल सिंह, कृष्णपालसिंह, रामबाबू श्रीवास्तव, धर्मराज पाटीदार, निलेश शर्मा, हिम्मतसिंह, पंकज काबरा, अशोक भूरिया, युवा कांग्रेस जिला महासचिव यशवर्धनसिंह पंवार, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन धाकड़, लाखन सिंह, आईटी सेल के दुर्लभ धाकड़, चेतनसिंह राठौर, पूर्व पार्षद प्रकाश निनामा, निर्मल वर्मा, हिम्मतलाल पाटीदार, विनोद शर्मा, उमेश पाटीदार, घनश्याम जाट, संदीप माहेश्वरी, महेश पाटीदार, जगदीश पाटीदार, अनूप जैन, परमानंद गुर्जर सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थिति थे।

# आर्यावृत पत्रकार संघ के तत्वावधान में जिलेभर के पत्रकार होंगे सम्मानित, पत्रकारिता की चुनौतियों पर होगा मंथन

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** लोकतंत्र की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पत्रकारों के सम्मान और पत्रकारिता के मूल्यों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आर्यावृत पत्रकार संघ द्वारा 14 जून, रविवार को ग्राम परवलिया में भव्य पत्रकार सम्मेलन, परिसंवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिलेभर के पत्रकारों को एक मंच पर लाने के साथ-साथ पत्रकारिता के समक्ष मौजूद चुनौतियों और संभावनाओं पर सार्थक चर्चा का अवसर प्रदान करेगा।

कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 11 बजे से आदिम जाति संस्था के पीछे स्थित परिसर में होगा। सम्मेलन में जिले के वरिष्ठ पत्रकारों, ग्रामीण अंचलों में सक्रिय पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आयोजन को लेकर पत्रकार जगत में विशेष उत्साह एवं उत्सुकता देखी जा रही है।

समारोह में आर्यावृत पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, राष्ट्रीय सचिव कमल सिंह सोलंकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलीम शेरानी, राष्ट्रीय महासचिव राकेश सिंह चौहान, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष विजय नीमा, थांदला मंडल अध्यक्ष बंटी डामोर तथा पूर्व जनपद अध्यक्ष गेंदालाल डामोर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम केवल सम्मान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पत्रकारिता के वर्तमान परिदृश्य, ग्रामीण पत्रकारों की चुनौतियों, मीडिया की विश्वसनीयता और समाज में पत्रकारों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत परिसंवाद आयोजित किया जाएगा। इससे पत्रकारों को अपने अनुभव साझा करने, नए विचारों का आदान-प्रदान करने और संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

थांदला ग्रामीण तहसील अध्यक्ष उमेश पाटीदार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत अनेक पत्रकार सीमित संसाधनों के बावजूद जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर समाज में जागरूकता लाने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे पत्रकारों का सम्मान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और पत्रकारिता के प्रति समर्पण को नई दिशा देगा।

सम्मेलन में जिलेभर के वरिष्ठ एवं ग्रामीण पत्रकारों का सार्वजनिक अभिनंदन किया जाएगा। यह आयोजन पत्रकारों के सम्मान, संवाद, एकता और पत्रकारिता के मूल्यों को समर्पित एक ऐतिहासिक अवसर साबित होगा।

# अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. जाटव ने की जिला पंचायत योजनाओं की समीक्षा

**जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने आज जिला पंचायत जबलपुर के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में ग्रामीण विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने पंचायत प्रकोष्ठ के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों एवं सरपंचों की वर्गवार तथा विकासखंडवार जानकारी प्रस्तुत की। साथ ही जनपद पंचायतों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्वाचित सदस्यों की संख्या एवं सहभागिता से भी अवगत कराया गया। मनरेगा योजना की समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेबर बजट, मानव दिवस सृजन, जल गंगा संवर्धन अभियान तथा एक बगिया माँ के नाम अभियान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. जाटव ने अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को उपलब्ध कराए गए रोजगार एवं अर्जित मानव दिवसों की विशेष समीक्षा करते हुए वास्तविक श्रमिकों की उपस्थिति का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा जॉब कार्ड निर्माण में आने वाली समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

# पुनः सीमांकन के बाद टीकाराम को सौंपा गया भूमि का कब्जा, राजस्व दल ने पूरी की कार्रवाई

**विदिशा / दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्राम रामपुर बंधिया स्थित कृषि भूमि के सीमांकन से जुड़े लंबे समय से लंबित विवाद का समाधान करते हुए राजस्व विभाग द्वारा पुनः सीमांकन की कार्रवाई संपन्न कर आवेदक को उसकी भूमि का कब्जा सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रामपुर बंधिया निवासी टीकाराम पुत्र लालाराम ने अपनी निजी भूमि सर्वे क्रमांक 22, रकबा 1.547 हेक्टेयर के सीमांकन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन के आधार पर हल्का पटवारी द्वारा 19 जून 2025 को भूमि का सीमांकन कर प्रतिवेदन एवं पंचनामा प्रस्तुत किया गया था। सीमांकन के दौरान भूमि के एक हिस्से रकबा 0.110 हेक्टेयर पर कल्याण सिंह पुत्र गोरेलाल तथा 0.020 हेक्टेयर भूमि पर भारत सिंह पुत्र लालाराम का कब्जा पाया गया था। प्रकरण में अनावेदक कल्याण सिंह को 19 अगस्त 2025 को सूचना पत्र जारी कर उपस्थित होने के लिए कहा गया। उनके द्वारा प्रस्तुत आपत्ति तथा आवेदक के जवाब पर दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की उपस्थिति में तर्क सुने गए। इसके बाद सीमांकन प्रतिवेदन, पंचनामा एवं अन्य दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान यह पाया गया कि पूर्व में किया गया सीमांकन सभी मेढ़िया कृषकों की उपस्थिति में नहीं हुआ था तथा संबंधित कृषकों की असंतुष्टि और विवाद की स्थिति के कारण सीमांकन प्रक्रिया पर प्रश्न उठे थे। इस स्थिति को देखते हुए न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 0362/अ-12/2025-26 में 12 दिसंबर 2025 को आदेश पारित कर राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी को पुनः सीमांकन करने के निर्देश दिए गए। न्यायालय के निर्देशों के पालन में 17 दिसंबर 2025 को राजस्व दल का गठन किया गया, किंतु मौके पर मेढ़िया कृषकों के बीच विवाद की स्थिति होने के कारण सीमांकन कार्य पूरा नहीं हो सका।

# कई रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर शेड विस्तार की आवश्यकता, सकलेचा सहित यात्रियों ने सुविधा बढ़ाने का सुझाव दिया

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** क्षेत्र के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सकलेचा सहित यात्रियों ने प्लेटफॉर्मों पर शेड सुविधा के विस्तार की आवश्यकता बताई है, ताकि बदलते मौसम में उन्हें अधिक सुविधा मिल सके।

वर्तमान में कई स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर शेड उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ हिस्सों में यात्रियों को खुले स्थान पर प्रतीक्षा करनी पड़ती है। विशेष रूप से गर्मी के दौरान तेज धूप तथा वर्षा ऋतु में यात्रियों को प्रतीक्षा के समय कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। यात्रियों का मानना है कि जहां आवश्यकता हो, वहां अतिरिक्त शेड का निर्माण अथवा विस्तार किया जाना उपयोगी रहेगा।

समाजसेवी राजेश सकलेचा ने कहा कि यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्लेटफॉर्मों पर आवश्यकता अनुसार शेड का विस्तार किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि इससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों तथा दूर-दराज से आने वाले यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी और प्रतीक्षा के दौरान उन्हें मौसम से बेहतर संरक्षण प्राप्त हो सकेगा।

रेलवे द्वारा समय-समय पर विभिन्न यात्री सुविधाओं में सुधार किए जाते रहे हैं। यात्रियों का मानना है कि इसी क्रम में प्लेटफॉर्म शेड के विस्तार पर भी विचार किया जाए तो यात्रियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से राहत मिल सकेगी तथा उनकी यात्रा अधिक आरामदायक बन सकेगी।

राजेश सकलेचा ने रेलवे प्रशासन से अनुरोध किया है कि आवश्यक सर्वे कराकर जिन स्थानों पर जरूरत महसूस हो, वहां अतिरिक्त शेड निर्माण एवं विस्तार की संभावनाओं पर विचार किया जाए, ताकि यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक प्रतीक्षा व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

# मिट्टी मुरम माफियाओं की भेंट चढ़ा जल संसाधन विभाग का 200 बीघा का किशनपुरा तालाब...

## देपालपुर क्षेत्र में सांठगांठ से चल रहा खोदाई का बड़ा खेल जिम्मेदार अफसर गायब

**देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बेटमा के पास बेटमा खुर्द स्थित किशनपुरा तालाब इस समय खनन माफियाओं के अवैध साम्राज्य का केंद्र बन चुका है। रसूखदारों और अधिकारियों की कथित सांठगांठ का आलम यह है कि जल संसाधन विभाग के इस तालाब को पूरी तरह से छलनी कर दिया गया है। नियमों को ताक पर रखकर माफिया यहाँ से अंधाधुंध पीली मिट्टी, काली मिट्टी और मुरम निकालकर बाजारों में बेच रहे हैं, लेकिन प्रशासन मौन साधे बैठा है।

ढाई महीने से तांडव, 35 फीट गहरा हुआ तालाब- ग्रामीणों के अनुसार, तालाब में यह अवैध खेल पिछले ढाई महीने से लगातार जारी है। मौके पर दिन-रात भारी-भरकम पोकलेन मशीनें गरज रही हैं और दर्जनों डंपरों के जरिए धड़ल्ले से मुरम और मिट्टी का परिवहन किया जा रहा है। खुदाई की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तालाब को 30 से 35 फीट तक

गहरा खोद दिया गया है, जो किसी बड़े हादसे को खुला आमंत्रण है।

मंजूरी की आड़ में अवैध खेल- सूत्रों के मुताबिक, जल संसाधन विभाग ने इस तालाब से मिट्टी निकालने की मंजूरी तो दी है, लेकिन मौके पर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। स्वीकृत मापदंडों को दरकिनार कर बेखौफ तरीके से कमर्शियल माइनिंग (व्यावसायिक खनन) की जा रही है।

ग्रामीणों का आक्रोश- इतने बड़े पैमाने पर पोकलेन चल रही हैं, सैकड़ों डंपर निकल रहे हैं, तो क्या जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर पट्टी बंधी है? बिना ऊपरी शह के इतना बड़ा घोटाला मुमकिन ही नहीं है।÷

जल संसाधन मंत्री के क्षेत्र में भी बेखौफ माफिया- हैरानी की बात यह है कि पास की ही विधानसभा सीट से प्रदेश सरकार के कद्दावर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट आते हैं। जल संसाधन विभाग से जुड़े मामलों में उनकी सक्रियता के बावजूद, उनके ही प्रभाव क्षेत्र में माफिया इस कदर बेखौफ हैं कि तालाब का अस्तित्व ही खतरे में आ गया है।

वीडियो फुटेज आए सामने.- किशनपुरा तालाब में चल रही इस अवैध खुदाई के पुख्ता वीडियो फुटेज भी सामने आए हैं। इन वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह नियम-कायदों को मलबे में दबाकर तालाब का सीना चीरा जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद अब जल संसाधन विभाग और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह है कि इस खबर के बाद कुंभकरणीय नींद में सोया प्रशासन जागता है या माफियाओं को इसी तरह जल और जमीन लूटने की खुली छूट मिलती रहेगी।

(.रिपोर्टर और अधिकारी के बीच हुई बातचीत) में क्या कहा विभाग के एसडीओ ने

रिपोर्टर- सर, बेटमा खुर्द के किशनपुरा तालाब में जो खुदाई चल रही है, क्या उसकी परमिशन दी है?

एसडीओ गजेंद्र सिंह- हाँ, तालाब खोदने की मंजूरी दी गई है।

रिपोर्टर- लेकिन सर, वहाँ तो 35 फीट गहरा गड्ढा कर दिया गया है। नियमों के मुताबिक कितने फीट खोदने की मंजूरी दी थी आपने?

एसडीओ गजेंद्र सिंह- (बात टालते हुए) मैं अभी मीटिंग में हूँ, इस बारे में बाद में बात करता हूँ।

# रोवर मशीन से सीमांकन एवं ग्राउंड-ट्रूथिंग कार्यों के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में राजस्व कार्यों को अधिक सटीक, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए राजस्व विभाग द्वारा रोवर मशीन के माध्यम से सीमांकन एवं नक्शा योजना की ग्राउंड-ट्रूथिंग के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने किया तथा प्रशिक्षण की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद किया और उन्हें तकनीकी उपकरणों के उपयोग में दक्षता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से राजस्व संबंधी कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, सीमांकन की प्रक्रिया अधिक सटीक होगी तथा भूमि विवादों के त्वरित निराकरण में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और प्राप्त ज्ञान का उपयोग मैदानी स्तर पर प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार , विदिशा जिले के राजस्व निरीक्षकों, पटवारियों तथा नगर पालिका के नगर सर्वेक्षकों के लिए यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में जिले भर से लगभग 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रोवर मशीन के माध्यम से भूमि सीमांकन की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना तथा नक्शा योजना के अंतर्गत ग्राउंड-ट्रूथिंग कार्यों को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन श्रीमती सविता पटेल ने बताया कि वर्तमान में जिले को 15 रोवर मशीनें प्राप्त हुई हैं।

# कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा और अंतर्विभागीय समन्वय बैठक संपन्न

**बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में समय-सीमा और अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, आगामी त्योहारों की कानून व्यवस्था और विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचना ही प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का आत्मबोध करें और पूरी जवाबदेहिता व संवेदनशीलता के साथ समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में दिए गए मुख्य निर्देश- 1.उर्वरक वितरण की नियमित मॉनिटरिंग और संतुलित उपयोग पर जोरः- कलेक्टर ने कृषि विभाग और समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण सुचारू रूप से बना रहे। जिन समितियों में उर्वरक वितरण 75ः से कम है, उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए और वितरण का ग्राफ बढ़ाया जाए। किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग के बारे में जागरूक किया जाए।निजी खाद विक्रेताओं के स्टॉक ऑर्डरिंग एवं रिसीविंग की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। विभाग दैनिक रूप से रिकॉर्ड अपडेट करवाए । 2.आगामी पर्वों को लेकर शांति समिति की बैठक और व्यवस्थाएं:-आगामी त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के मद्देनजर कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को पुलिस प्रशासन के साथ सभी क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से शांति समिति की बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए ट्रैफिक एवं डायवर्जन प्लान की जानकारी भी दी जाए। 3.जल गंगा संवर्धन अभियान में लाएं तेजीः-जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए जारी श्जल गंगा संवर्धन अभियानश् के अंतर्गत प्रतिदिन किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की कर लेबर क्षमता में वृद्धि कर किये जा रहे कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए साथ ही पूर्ण हो चुके कार्यों की सीसी जारी करवाने के निर्देश दिए गए। 4.सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत स्पर्श पोर्टल पर न्क्प्क् मैपिंग और पेंशन योजना हेतु लंबित आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अंतर्गत ऐसे दिव्यांग जिनका यूडीआईडी कार्ड बन चुका है उन्हें पेंशन स्वीकृत करने सम्बंधी कार्य में नगर परिषद अंजड व राजपुर एवं जनपद पंचायत राजपुर को छोड़कर सभी नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों दिए गए लक्ष्य अनुरूप शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर दिया है। 5.महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत स्वीकृत आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधूरे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। कार्यों की गुणवत्ता और गति परखने के लिए अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए । 6.जिले में लांग स्टेबल (लंबे रेशे वाले) कपास की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर ने निर्देशित किया कि समस्त एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि कृषि विभाग द्वारा चिह्नांकित किए गए किसानों का पूरा डेटा संकलित रखें। इस डेटा में किसानों का रकबा, खाद-उर्वरक का उपयोग आदि से जुड़ी संपूर्ण जानकारी अनिवार्य रूप से शामिल होनी चाहिए, ताकि भविष्य में उत्पादकता की समीक्षा की जा सके। 7.स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को प्रथम तिमाही में अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। इसके साथ ही 4 एएनसी चेक-अप (प्रसव पूर्व जांच), पीआईएच (गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप) और टीबी स्क्रीनिंग के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये।

# कलेक्टर श्री सिंह ने हरीफाटक ब्रिज के समानांतर ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ महापर्व 2028 के विश्वव्यापी आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विकास कार्य तेजी से प्रगतिरत हैं। आवागमन और भीड़ प्रबंधन के लिए हरीफाटक ब्रिज के समानांतर ब्रिज का निर्माण कार्य तेज गति से निर्माणाधीन है। बुधवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने समानांतर ब्रिज निर्माण कार्य, महाकाल मंदिर के समीप सड़क निर्माण कार्य और श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गति बढ़ाते हुए गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री का उपयोग किया जाए। इसी तरह श्री महाकालेश्वर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक दर्शन हो सकें, ऐसी व्यवस्था तय करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को नियमित निरीक्षण के तहत हरीफाटक ब्रिज के समानांतर निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यह परियोजना सिंहस्थ की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। परियोजना में तीन भुजाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें मुख्य भुजा नीलकंठ द्वार की ओर, द्वितीय भुजा महाकाल लोक की ओर तथा तृतीय भुजा बड़नगर रोड की ओर निर्मित की जानी है। कलेक्टर श्री सिंह ने हरीफाटक रेलवे ओवरब्रिज के निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी को तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण कार्य किए जाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने श्री महाकालेश्वर मंदिर के समीप हेरिटेज होटल के सामने निर्माणाधीन मार्ग और बड़ा गणेश मंदिर के सामने निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण कर बारिश के पहले जरूरी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने श्री महाकालेश्वर मंदिर के अंदर सामान्य श्रद्धालुओं और विशेष दर्शन टिकट के माध्यम से दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित दर्शन व्यवस्था का अवलोकन भी किया।

एक सप्ताह में 10 लाख श्रद्धालुओं ने श्री महाकाल बाबा के दर्शन किए- कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि श्री महाकालेश्वर मंदिर में पिछले एक सप्ताह के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन किए हैं। श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश हैं कि बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक दर्शन कराने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा

# अलखनंदा नगर में सूने मकान में लगी आग, घरेलू सामान जला

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के अलखनंदा नगर स्थित बी सेक्टर में बुधवार शाम एक सूने मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से घर में रखा घरेलू सामान जलकर खराब हो गया। समय रहते फायर ब्रिगेड के पहुंचने से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार अलखनंदा नगर बी सेक्टर निवासी कुमार गौरव विजय के मकान में शाम के समय आग भड़क उठी। घटना के वक्त मकान मालिक और उनके परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे।

वे किसी काम से बाहर गए हुए थे। आसपास के लोगों ने मकान से धुआं और आग की लपटें निकलती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और फायर कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से घर में रखा फर्नीचर, घरेलू उपयोग का सामान और अन्य वस्तुएं प्रभावित हुई हैं। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नागरिकों ने समय पर पहुंचकर आग बुझाने वाली टीम की कार्रवाई की सराहना की। फायर ब्रिगेड अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू ने बताया कि सूचना मिलते ही दल को रवाना कर दिया गया था, जिसके चलते आग को फैलने से रोक लिया गया और आसपास के मकानों को सुरक्षित बचा लिया गया।

# छत की सफाई करते समय करंट लगने से युवक की मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** घर की छत पर चढ़कर हाई टेंशन लाइन में हेकड़ी डाल रहे युवकों को करंट लग गया। पत्नी और मां अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इंदौर रोड स्थित मोती नगर में रहने वाला अशोक पिता कमल केवट 40 साल ईट भट्टे पर काम करता था। वह चार-पांच दिनों में घर आता था। मंगलवार को वह घर लौटा था उसने आगामी मानसून को देखते हुए घर की छत पर सफाई करने का कहा और चढ़ गया। इस दौरान उसने हाई टेंशन लाइन में हेकड़ी डालने का प्रयास किया, उसी दौरान करंट की चपेट में आ गया। छत लोहे की पतरे की थी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी माया और मां फूलबाई ने घटना देखी तो उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बुधवार सुबह नानाखेड़ा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। अशोक तीन बच्चों का पिता था।

# महाकाल मंदिर में भाजपा ने किए 108 जाप, मोदी की दीर्घायु और राष्ट्र समृद्धि की कामना

## केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर हुआ धार्मिक आयोजन, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता हुए शामिल

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई द्वारा आज बुधवार को महाकाल मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं 108 जाप का आयोजन कर प्रधानमंत्री की दीर्घायु और राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए भगवान महाकाल से प्रार्थना की गई।

भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी सुबह 11 बजे के लगभग महाकाल मंदिर पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुआ। जिला मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने बताया कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व, राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके योगदान तथा देश की निरंतर प्रगति के लिए भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त करना था। भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में सुशासन, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन्हीं उपलब्धियों के उपलक्ष्य में यह विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

# बदमाशों ने मैजिक में तोड़फोड़ कर चालक से छीने रुपए

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बीती रात मैजिक चालक को घायल हालत में चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल ने चार-पांच लोगों पर मैजिक में तोड़फोड़ करने और मारपीट कर रुपए छीने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चिमनगंज थाना क्षेत्र के मंगल नगर में रहने वाला विकास पिता सुरेश सिंह मैजिक चालक है रात में वह मैजिक लेकर घर लौट रहा था उसी दौरान क्षेत्र के चौराहा पर 4-5 युवा कौन है उसे रोका और मैजिक में तोड़फोड़ करते हुए बुरी तरह मारपीट की। घायल विकास को लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। जहां उसने मारपीट कर तोड़फोड़ करने वालों पर 26 हजार रुपए छीननेका आरोप भी लगाया है। उसका कहना था कि मारपीट करने वालों को पहचानता नहीं है। पुलिस आपसी विवाद का मामला मान रही है रुपए छीनने की घटना के मामले में जांच की जा रही है।

# उज्जैन के 1 लाख 60 हजार उज्जवला उपभोक्ताओं को झटका

## जिले के गरीब परिवारों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस का लाभ लेने वाले उज्जैन जिले के 1 लाख 60 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने योजना में बदलाव करते हुए सब्सिडी वाले गैस सिलेंडरों की संख्या सालाना 9 से घटाकर केवल 4 कर दी है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब लाभार्थियों को साल में सिर्फ चार सिलेंडरों पर ही 300 रुपए प्रति सिलेंडर की सब्सिडी मिलेगी, जबकि पांचवें सिलेंडर से उन्हें बाजार दर पर पूरी राशि का भुगतान करना होगा।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार यह फैसला उज्ज्वला परिवारों की औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मंत्रालय का दावा है कि अधिकांश लाभार्थी परिवार साल में करीब चार सिलेंडर ही उपयोग करते हैं, इसलिए सब्सिडी की सीमा को उसी अनुरूप निर्धारित किया गया है। हालांकि उज्जैन में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं जिनकी गैस खपत चार सिलेंडरों से अधिक रहती है। ऐसे परिवारों को अब अतिरिक्त सिलेंडर खरीदने के लिए पूरी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। गौरतलब है कि हाल ही में 7 जून को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 29 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर की कीमत 1001.50 रुपए तक पहुंच गई है। ऐसे में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले चार सिलेंडरों पर 300 रुपए सब्सिडी मिलने के बाद करीब 701.50 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि इसके बाद लिए जाने वाले सभी सिलेंडर पूरे बाजार मूल्य पर खरीदने होंगे। उज्ज्वला योजना की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी। उस समय लाभार्थियों को साल में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलते थे। बाद में यह संख्या घटाकर 9 की गई और अब इसे और कम करते हुए केवल 4 सिलेंडर तक सीमित कर दिया गया है। जिले के हजारों परिवारों का मानना है कि रसोई गैस लगातार महंगी होने के बीच सब्सिडी की सीमा कम होने से घरेलू खर्च बढ़ेगा और इसका सीधा असर आम लोगों की रसोई पर दिखाई देगा।

# यातायात आरक्षक से अभद्रता करने वाले गिरफ्तार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाकाल मंदिर क्षेत्र में आवागमन व्यवस्था संभाल रहे यातायात आरक्षक से बाइक सवार पिता-पुत्र और रिश्तेदार द्वारा अभद्रता करते हुए झूमाझटकी की गई। आरक्षक की शिकायत पर महाकाल पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया गया। तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

महाकाल थाना एएसआई शंकरलाल कन्नोजिया ने बताया कि यातायात आरक्षक देवीलाल ने रात शिकायत दर्ज कराई कि उसकी ड्यूटी महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की आवागमन व्यवस्था को संभालने के लिये कोर्ट मोहल्ला चौराहा से यादव धर्मशाला के बीच ड्यूटी लगी थी। उसी दौरान बाइक पर सवार तीन लोग रॉग साइड आते दिखाई दिये। बाइक को रोका गया और गलत दिशा में जाने की बात कहीं गई तो तीनों ने अभ्रदता शुरू कर दी, उनका कहना था कि हमारा घर इसी रास्ते पर है हम यहीं से गुजरेगें। आरक्षक देवीलाल ने विरोध किया तो तीनों ने मिलकर झूमाझटकी करते हुए वर्दी पकड़ ली। यातायात आरक्षक की शिकायत पर मामले में शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया और बाइक नम्बर के आधार पर तीनों की तलाश करते हुए कोर्ट मोहल्ला क्षेत्र के रहने वाले आवेश खान उसके पिता बाबूल खान और रिश्तेदार अमन पिता जाकिर खान को गिरफ्तार कर बाइक जप्त की गई। तीनों को कोर्ट पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

# नटराजन का नामांकन रद्द होते ही सड़कों पर उतरी कांग्रेस, आंबेडकर प्रतिमा के सामने मौन धरने से साधा सरकार पर निशाना

## कांग्रेस बोली- यह सिर्फ एक उम्मीदवार का मामला नहीं, 64 विधायकों के मताधिकार पर डाका

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने उज्जैन में मौन प्रदर्शन कर भाजपा सरकार और चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए। टॉवर चौक स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष आयोजित विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना पर सीधा हमला बताया।

दोपहर एक बजे शुरू हुए प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष रवि राय, कांग्रेस नेता अजित सिंह, सेवा दल, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, आईटी सेल, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक प्रभारी, पार्षद और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तख्तियां लेकर मौन बैठे कार्यकर्ताओं ने नामांकन निरस्त किए जाने को राजनीतिक साजिश करार दिया। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर लोकतांत्रिक व्यवस्था की हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि यदि नामांकन पत्र में कोई तकनीकी त्रुटि थी तो उसे नियमानुसार सुधरवाया जा सकता था, लेकिन जानबूझकर ऐसा अवसर नहीं दिया गया। यह पूरी कार्रवाई एक सोची-समझी रणनीति के तहत की गई, ताकि कांग्रेस को चुनावी मुकाबले से बाहर किया जा सके। राय ने कहा कि इस फैसले से केवल एक उम्मीदवार ही प्रभावित नहीं हुई, बल्कि कांग्रेस के 64 विधायकों के मतदान अधिकार भी अप्रत्यक्ष रूप से छीन लिए गए। उन्होंने इसे सीट चोरी बताते हुए कहा कि सत्ता पक्ष लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस नेता अजित सिंह ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन सुनियोजित षड्यंत्र के तहत निरस्त कराया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को केवल विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि प्रदेशभर में जनजागरण और आंदोलन चलाकर सरकार की नीतियों का विरोध करेगी।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष संविधान की रक्षा का संकल्प भी दोहराया। नेताओं का कहना था कि लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी पारदर्शिता को बचाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा तथा जनता के बीच इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

# महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी।

भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव श्री सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।


## कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन,कोयला फाटक उज्जैन Ph-0734-2535229

-: (Online)निविदा आंमत्रण सूचना :-

विज्ञप्ति क्रं / शि-वि /2026/959 उज्जैन दिनांक :-04/06/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र अ (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है, तथा ठेकेदार की (श्रेणी शी) एम.पी. गर्वमेंट व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल के UADD SOR 02.08.2021 सिरियल क्रं. 1 से 6 तक का टेण्डर फार्म मूल्य 1000/- सिरियल क्रं. 7 से 11 तक का टेण्डर फार्म मूल्य 2,000/- रहेगा एवं सिरियल क्रमांक 12 से 13 का टेण्डर फार्म मूल्य 5000 रहेगा। ।

सिरियल क्रं. 01 से सिरियल क्रं. 13, को आनलाईन क्रय करने व ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेजों को Submission करने की अंतिम दिनांक 19.06.2026 समय 17.30 रहेगी।

विस्तृत निविदा आंमत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी।

| क्रं. | टेंडर क्रमांक | कार्य का नाम | अनुमानित लगत | अर्नेस्टमनी रू. | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2025_UAD_459628_3 | वार्ड क्रमांक 26 में विभिन्न चिन्हित स्थानों पर कुर्सिया लगाने बाबत्। | 98998/- | 1979/- | 30 दिन |
| 2 | 2025_UAD_459806_3 | वार्ड क्रमांक 26 अंतर्गत विभिन्न चिन्हित मार्गों पर सांकेतिक बोर्ड लगाये जाने का कार्य। | 70685/- | 1413/- | 30 दिन |
| 3 | 2025_UAD_442904_3 | वार्ड क्रमांक 26 अंतर्गत लक्ष्मीनारायण मंदिर के सामने स्थित गूंदी बाखल की गली में सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य। | 132082/- | 2641/- | 30 दिन |
| 4 | 2026_UAD_496034_2 | वार्ड क्रमांक 28 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर रोड़ सांकेतक लगाये जाने हेतु। | 175159/- | 3510/- | 30 दिन |
| 5 | 2023_UAD_319150_10 | वार्ड क्रमांक 26 हैदरी शॉप के सामने क्रॉस ड्रेन निर्माण। | 122640/- | 2452/- | 30 दिन |
| 6 | 2025_UAD_410434_3 | वार्ड क्रमांक 26 कंगालपुरा शीतला माता मंदिर की गली में नाली व क्रास निर्माण कार्य। | 169835/- | 3396/- | 30 दिन |
| 7 | 2026_UAD_495906_2 | वार्ड क्रमांक 28 अंर्तगर्त भूरी के अड्ज्डा में सीमेंट कांक्रीट कार्य। | 343706/- | 3440/- | 30 दिन |
| 8 | 2025_UAD_439199_3 | वार्ड क्रमांक 26 तांबे की चाल वाली गली में सी.सी. रोड़ व नाली निर्माण कार्य। | 415836/- | 8316/- | 60 दिन |
| 9 | 2025_UAD_442991_3 | वार्ड क्रमांक 26 अंतर्गत शीतला माता मंदिर से भाट गली तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य। | 746239/- | 14924/- | 60 दिन |
| 10 | 2023_UAD_304209_12 | वार्ड क्रमांक 26 अंतर्गत अवंतिका प्रेस के सामने सी.सी रोड और भगवती गली में क्रॉस ड्रेन निर्माण कार्य। | 732055/- | 14640/- | 90 दिन |
| 11 | 2026_UAD_495886_2 | वार्ड क्रमांक 26 अंतर्गत समस्त संधारण, मरम्मत कार्य। | 845450/- | 8460/- | 60 दिन |
| 12 | 2026_UAD_484891_2 | वार्ड क्रमांक 29 अंतर्गत आनंदेश्वर महादेव मंदिर के पास सभामण्डप निर्माण कार्य। | 3427939/- | 25710/- | 180 दिन |
| 13 | 2025_UAD_442356_3 | झोन 03 वार्ड क्र. 26 अंतर्गत विभिन्न 4 प्रस्तावित स्थानों पर सी.सी. रोड़ निर्माण व 1 स्थान पर क्रॉसड्रेन निर्माण कार्य। | 2048165/- | 40963/- | 90 दिन |

कार्यपालन यंत्री
झोन क्रं. 03
नगर पालिक निगम उज्जैन


मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# उज्जैन की 80 फ़ीसदी होटलों में फायर सेफ्टी के इंतजाम अधूरे

**निगम की जांच में खुली पोल, कई होटलों में इमरजेंसी एग्जिट तक नहीं- 30 जून तक फायर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के निर्देश**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** दिल्ली के एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद नगर निगम ने शहर के होटलों में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच शुरू की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि शहर की करीब 80 प्रतिशत होटलों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। कई प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरण अधूरे मिले, जबकि कुछ जगहों पर आपातकालीन निकास मार्ग (इमरजेंसी एग्जिट) तक नहीं पाया गया।

बीते दिन नगर निगम के फायर ऑफिसर लक्ष्मणप्रसाद साहू ने अन्य अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन क्षेत्र की होटलों का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान फायर एनओसी, अग्निशमन यंत्रों की स्थिति, भवन सुरक्षा और विद्युत सुरक्षा संबंधी दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की गई। अधिकारियों ने होटल संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी भी दी।

निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी चिंता यह सामने आई कि कई होटलों के पीछे पहुंच मार्ग या गली नहीं है। ऐसे में भवन के पिछले हिस्से में आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड के लिए मौके तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। अधिकारियों ने इसे गंभीर सुरक्षा जोखिम माना है।नगर निगम की टीम ने होटल गुजरात पैलेस, विराज, कलश, शिव महिमा, आमंत्रण, ड्रीम पैलेस, आमंत्रण एवेन्यू, रॉयल व्यू और एटलस सहित कई प्रतिष्ठानों की जांच की। फायर एनओसी के अलावा भवन अनुज्ञा और विद्युत सुरक्षा प्रमाण-पत्रों का भी सत्यापन किया गया। फायर ऑफिसर लक्ष्मणप्रसाद साहू ने बताया कि केवल फायर एनओसी प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। सभी होटल संचालकों को हर वर्ष अग्निशमन ऑडिट कराना होगा और उसकी रिपोर्ट निगम में जमा करनी होगी। इसके लिए 30 जून तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। निर्धारित समय में रिपोर्ट जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र के बाद महाकाल मंदिर क्षेत्र, नानाखेड़ा बस स्टैंड और फ्रीगंज इलाके में भी अभियान चलाकर होटलों एवं अन्य बड़े प्रतिष्ठानों की जांच की जाएगी। नियमों के अनुसार 15 मीटर से अधिक ऊंचे भवन, 500 वर्गमीटर से बड़े निर्मित क्षेत्र वाले कॉम्प्लेक्स, 50 से अधिक बेड वाले होटल और अस्पताल, शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स, सिनेमा हॉल एवं मैरिज गार्डन में फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट अनिवार्य है। ऐसे प्रतिष्ठानों में फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर, स्प्रिंकलर सिस्टम, हाइड्रेंट, इमरजेंसी एग्जिट और आपातकालीन लाइटिंग जैसी व्यवस्थाएं होना जरूरी है। शहर में वर्तमान में 500 से अधिक होटल और अस्पताल संचालित हैं। इनमें 100 से अधिक बड़े प्रतिष्ठान तथा 400 से ज्यादा छोटे होटल एवं अस्पताल शामिल हैं। नगर निगम ने सभी संचालकों से फायर एनओसी, भवन अनुज्ञा, विद्युत सुरक्षा प्रमाण-पत्र, अग्निशमन उपकरणों की जानकारी और वार्षिक फायर ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

## जबरन खिलाई गई थी नव विवाहिता को सल्फास की गोली

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जहरीला पदार्थ खाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराई गई नव विवाहिता ने तहसीलदार को बयान में बताया था कि उसे जबरदस्ती पति और सास ससुर ने सल्फास की गोली खिलाई। नवविवाहिता की उपचार के दौरान मौत हो गई थी मामले में पुलिस ने पति और सास ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। भाटपचलाना थाना क्षेत्र के ग्राम बरथून में रहने वाली नव विवाहित प्रिया पति बालक दास बैरागी 25 साल को 2 जून को नागदा से उज्जैन रेफर किया गया था उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान पाया था कि प्रिया ने जहरीला पदार्थ खाया है। हालात गंभीर देख उसके मजिस्ट्रेट बयान तहसीलदार स्तर पर कराए गए थे जिसमें उसने अपने पति और सास ससुर द्वारा जबरदस्ती सल्फास की गोली खिलाना बताया था। उपचार के दौरान 5 जून को प्रिया की मौत हो गई थी। माधवनगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया था और मामले की जांच भाटपचलाना थाना पुलिस को सौपी थी। थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि मजिस्ट्रेट बैंक के आधार पर मामले में पति बालकदास, सास राजूबाई और ससुर प्रहलाददास के खिलाफ धारा 103(1), 49, 115(2), 3(5) बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रिया की 8 साल पहले शादी हुई थी उसके बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। कुछ साल पहले प्रिया की शिकायत पर पति के खिलाफ मारपीट का प्रकरण भी दर्ज किया गया था। मामला तलाक तक पहुंच चुका था लेकिन समझाइश इसके बाद दोनों साथ रहने लगे, लेकिन ससुराल पक्ष की प्रताड़ना काम नहीं हुई थी। प्रिया का मायका खाचरोद के समीप का है उसके परिवार और आसपास के लोग हो द्वारा भी प्रताड़ित करने की जानकारी पुलिस को दी गई थी। बुधवार को गिरफ्तार पति और सास ससुर को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेजा गया है।

## पेटीएम कंपनी का कर्मचारी बनकर दो लोगों के साथ धोखाधड़ी

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पेटीएम कंपनी का कर्मचारी बनकर 2 लोगों के मोबाइल से 1.60 लाख का लोन कंपनी से पास कराकर अपने खातों में ट्रांजेक्शन करने वाले का सुराग पुलिस को मिल गया है। आरोपी पूर्व कर्मचारी होना सामने आया है। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास में दबिश दी जा रही है।

खाचरौद थाना क्षेत्र के गणेश नगर में रहने वाले धर्मेन्द्र पिता रामचंद्र जैन 52 साल किराना दुकान संचालित करते है। 5 जून की सुबह उनकी दुकान पर पेटीएम कर्मचारी बनकर एक व्यक्ति पहुंचा और मोबाइल मांगा और कुछ देर में ही 96 हजार का ऑनलाइन लोन कंपनी से लेकर अलग-अलग खाते में ट्रांजेक्शन कर लिया। उक्त व्यक्ति के जाने पर धर्मेन्द्र जैन को अपने साथ धोखाधड़ी होने का पता चला। उन्होने मामले की लिखित शिकायत पुलिस को दर्ज कराई। पुलिस जांच शुरू कर धोखाधड़ी करने वाले का पता लगा पाती उससे पहले 6 जून को उक्त आरोपी बुध मार्ग खाचरौद में रहने वाले अशोक पिता सत्यनारायण मेहता 45 साल की बड़ चौराहा चाय की दुकान पहुंच गया। वहां भी पेटीएम कर्मचारी बताकर मोबाइल लिया और ऑनलाइन कंपनी से 64 हजार 400 का लोन लेकर अपने खाते में ट्रांजेक्शन कर लिया। उक्त मामला भी पुलिस के पास पहुंचा तो जांच के बाद 8 जून को दोनों मामले में धोखाधड़ी की धारा 318 (2), 319 (2) और आईटी एक्ट की धारा 66 में प्रकरण दर्ज किया गया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने जांच के दौरान उक्त आरोपित का पता लगा लिया है। जो पेटीएम कंपनी का पूर्व कर्मचारी होना सामने आ रहा है। पुलिस की एक टीम उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में लगी थी। मामले में खाचरौद थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया का कहना था कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जायेगा।

## औचक निरीक्षण में निगम आयुक्त का सख्त एक्शनः एक कर्मचारी निलंबित, पांच का वेतन कटा

**मुख्यालय के विभिन्न विभागों में जांच- बिना अनुमति अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम मुख्यालय में बुधवार को हुए औचक निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्य व्यवस्था की गहन समीक्षा की। निरीक्षण में लंबे समय से बिना अनुमति अनुपस्थित पाए गए एक कर्मचारी को निलंबित करने के निर्देश दिए गए, जबकि पांच अन्य कर्मचारियों का दो-दो दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की गई।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की इस सख्ती को निगम कार्यालयों में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। निरीक्षण की शुरुआत स्थापना शाखा से हुई, जहां आयुक्त ने उपस्थिति रजिस्टर और कर्मचारियों की हाजिरी का मिलान किया। जांच में सहायक वर्ग-3 कर्मचारी अभिषेक रघुवंशी की उपस्थिति 1 जून के बाद दर्ज नहीं मिली। जानकारी में सामने आया कि उन्होंने 1 से 5 जून तक अवकाश के लिए आवेदन किया था, लेकिन अवकाश स्वीकृत नहीं हुआ था। इसके बावजूद वे निर्धारित अवधि के बाद भी कार्यालय नहीं पहुंचे। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए आयुक्त ने उनके निलंबन के निर्देश दिए। इसी शाखा में सहायक वर्ग-3 कर्मचारी हर्षिल शाह भी अनुपस्थित पाए गए। इस पर उनके दो दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किए गए। इसके बाद आयुक्त ने जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन शाखा, मानचित्र विभाग तथा सामान्य प्रशासन विभाग का निरीक्षण किया और कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ कार्य निष्पादन की स्थिति का भी जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जन्म-मृत्यु शाखा के प्रभारी लिपिक सोनू मकवाना और पूजा चौधरी, सामान्य प्रशासन विभाग की प्रभारी लिपिक लक्ष्मी राणावत तथा भृत्य राजूबाई भी अनुपस्थित मिलीं। आयुक्त ने इन सभी कर्मचारियों के दो-दो दिन के वेतन कटौती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि बिना सूचना अनुपस्थिति और कार्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगम प्रशासन की इस कार्रवाई से कर्मचारियों में अनुशासन को लेकर संदेश गया है।

## पड़ोसियों ने अधेड़ पर किया हमला, 8 दांत टूटे

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पानी भरने के विवाद में पड़ोसियों ने अधेड़ व्यक्ति के साथ बुरी तरह मारपीट की। घटना में घायल को डॉक्टर ने 17 टांके लगाए। भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम विनायका में रहने वाला अशोक पिता भेरु सिंह 49 साल गांव के सरकारी होल पर पानी भरने गया था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाली आशुबाई भी पानी भरने पहुंची। उसने पानी भर रहे अशोक से होल पर लगा पाइप छीन लिया जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। आशु बाई का पति देवी सिंह पुत्र असित और देवी सिंह का पिता फतेह सिंह भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर पत्थर डंडों से अशोक को बुरी तरह पीटा। घटना में उसके आठ दांत टूट गए और शरीर में गंभीर चोट लगी। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों को घायल अशोक के शरीर पर 17 टांके लगाने पड़े। मामले की सूचना पुलिस को मिलने पर घायल के बयान दर्ज किए गए हैं। मारपीट करने वाला परिवार गांव से भाग निकला है। पानी को लेकर विवाद की स्थिति सामने आ रही है कुछ दिनों पहले पंवासा क्षेत्र की राजराजेश्वरी कॉलोनी में एक व्यक्ति को पति-पत्नी और नाबालिग पुत्र ने चाकू मारकर घायल कर दिया था। 2 दिन पहले ही पुलिस ने नाबालिग पुत्र को हिरासत में लेकर चाकू बरामद किया था और उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया था।


# 12 वर्षों की राष्ट्रसेवा और समर्पण को नमन

# प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का

## प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से

## हार्दिक आभार और अभिनंदन

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

सादर प्रणाम

भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के रूप में आपके यशस्वी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मध्यप्रदेश की समस्त जनता तथा अपनी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ । आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, आधारभूत संरचना निर्माण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपके इस स्वर्णिम कार्यकाल की एक प्रमुख विशेषता, विश्व अर्थव्यवस्था के पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरना रहा है। रूस यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविडकाल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की अध्यक्षता इन सभी में भारत एक वर्ल्ड लीडर के रूप में सामने आया है। आतंकवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टॉलरेंस सभी ने देखी। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक और पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर, हर बार आपके मजबूत नेतृत्व में भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है।

आपके मन में देश के गरीब, किसान, मध्यम वर्ग के लोगों के लिये गहन संवेदना है। यही कारण है कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। आज पूरे देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आपने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान देकर उनका पक्की छत का सपना साकार किया है। जल जीवन मिशन से नल से जल की व्यवस्था हुई है। देश के अन्नदाता के प्रति आपकी सोच का ही परिणाम है कि पीएम किसान सम्मान निधि में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में जा चुकी है।

नारी सशक्तिकरण के लिये आपके प्रयास हम सब के लिये अनुकरणीय है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिये आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में आपने नारी सशक्तिकरण के लिये पीएम उज्ज्वला योजना, स्व-सहायता समूहों का गठन, लखपति दीदी, पीएम सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं की सौगात दी। आज देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।

प्रदेश को हमेशा पल-पल पर आपका मार्गदर्शन स्नेह और आशीर्वाद मिला है। आपने मध्यप्रदेश को केन- बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना जैसी सिंचाई परियोजनाओं की सौगात दी है, आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2025 में आपने स्वयं पधार कर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन कर हमें अनुग्रहीत किया था। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश को 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तेजी से ये धरातल पर उतर रहे हैं। आपके ही कर कमलों से धार में देश के पहले टेक्सटाइल पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन आपके जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में सम्पन्न हुआ।

आपका आशीर्वाद मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में मिला है। आपने सड़क अधोसंरचना में मध्यप्रदेश को बड़ी सौगातें दी हैं। आपने 136 कि.मी. लंबे लगभग 3 हजार करोड़ रुपये लागत से उज्जैन- गरोठ ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण कराया जिससे इंदौर एवं उज्जैन के लोगों को दिल्ली से कनेक्टिविटी मिली। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल 22 कि.मी. टाइगर कॉरिडोर, भोपाल- कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति, 6-लेन आगरा - ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। आपके द्वारा प्रदेश को दी गई कई सड़क परियोजनायें प्रगतिरत हैं।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में वर्ष 2026 "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गेहूं में समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों द्वारा 104.36 लाख मे. टन गेहूं विक्रय किया गया है। यह विगत 10 वर्षों में सर्वाधिक है। भावान्तर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उत्पादक लगभग 6 लाख 86 हजार किसानों के खाते में लगभग 1 हजार 454 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया है।

आपके नेतृत्व में गरीबों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में मध्यप्रदेश लगातार कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को अपना पक्का घर मिला है वहीं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में 54.08 लाख नागरिकों को आवास मिले हैं। आवास पूर्णता में संख्यात्मक रूप में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश में 15.94 लाख प्रकरणों में 2697 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 12 से बढ़ कर 14 हो गई है। इसी तरह से भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का भी आपके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विस्तार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हैं तथा 8 नए कॉलेज स्थापित किये जा रहें हैं। आपकी राष्ट्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी सौगात "आयुष्मान भारत" में जनसंख्या अनुपात में आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

आप ने इन 12 वर्षों में भारत वर्ष के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को भी पुन: जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र की चेतना का जागरण है। आपके द्वारा काशी विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम एवं सोमनाथ धाम का विकास वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। वर्ष 2014 में आपके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

आपके कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, उसे मध्यप्रदेश ने भी प्राप्त कर लिया। यह आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि दशकों से चली आ रही एक राष्ट्रीय समस्या का उन्मूलन संभव हो सका। अब आपके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित गाँवों के त्वरित विकास के लिये माइक्रो डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सफल नेतृत्व की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व में और अधिक गौरवशाली स्थान प्राप्त करेगा।

सादर !

भवदीय

(डॉ. मोहन यादव)

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D11032/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026